परमेश्वर का दिया गया आराधना स्थल

आइये एक क्षण के लिये हम अपने सिरो को झुकाये।

प्रिय स्वर्गीय पिता निश्चय ही हम यह सौभाग्य मानते हैं कि यहां आज इस नगर लांस एन्जलस में होने के लिए, और इन विश्वासीयों के बीच होने को... वे चुने हुए जिन्हें संसार में से बुलाया गया है, परमेश्वर के अलग किए हुए बालक, इस महान घड़ी में जिसमें हम रह रहे हैं, अपने प्रिय प्रभु यीशु के किसी भी समय प्रगट होने की आशा में। इसके लिए हम अपने हृदय में धन्यवाद देते हैं कि हम विश्वास करते हैं कि वह हमारी पीढ़ी में आएगा, आज हम उसकी राह देख रहे हैं। यदि वह आज यहां नही है, और हम कल होते हैं, तो हम कल उसकी राह देखेंगे।

2 प्रिय परमेश्वर हम प्रार्थना करते हैं, यह सभा एक—एक विशेष सभा होगी। होने पाए यह एक ऐसा समय होगा कि कलीसिया के आगे बढ़ने का कीर्तिमान बनाए, जो अनंतता में आपकी पुस्तकों में होगा। हमारे हर निर्बल प्रयास को जो हम करते हैं आशीषित करें, पिता। हम अनुभव करते हैं कि आपके बिना हम पूरी तरह से असफल है, इसलिए प्रभु हमें आपको लेना ही है, यदि यहां हो सका हम जारी रहेंगे। और हम यह अपनी बड़ाई के लिए नही चाहते। हम यह आपकी महिमा के लिए चाहते हैं। क्योंकि यह हमारे हृदय कि इच्छा है कि यीशु को उसके अपने लोगों में महिमामय होते देखें, प्रभु उन लोगों के विश्वास को मजबूत करने को। इस दिन में जब लड़ाई कठिन है, हम यहां अपने मध्य इस बेदारी के लिए आये हैं, और एक आध्यात्मिक सहाना, एक ताजगी। हम प्रार्थना करते हैं कि आप यह सारी बातें हमें प्रदान करेंगे, क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

आप बैठ जाये।

3 भाई शेकेरियन, बहन व्याट, और हमारे प्रभु यीशु मसीह के मित्रों, मैं निश्चय ही इस सुअवसर के लिए सराहनीय हूं कि एक बार फिर लांस एन्जलस में होने के लिये, कि महिमा वाले यीशु को प्रचारित करूं कि हम सब यहां अधिक सिखने के लिए है। यदि हमारा प्रयास...

4 [कोई भाई ब्रन्हम से माइक्रोफोन के लिए बात करता है।—सम्पा।] हाँ, श्रीमान। [खाली स्थान।]... इस तरह। बहुत ही जटिल मामला है, कहे कि यह चीज सहयोग करना पसंद नही करती। [दूसरे सलाह देते हैं कि माइक्रोफोन को कैसे सही बैठाये।] भाई, यह इस प्रकार से कार्य करने नही जा रहा है। [टेप पर खाली स्थान]... भाई शेकेरियन। अब यह थोड़ी अच्छी आवाज है।

5 मैं एक प्रकार का छोटा, मेरी आवाज छोटी है, परंतु एक बड़ा महान संदेश प्रभु की ओर से है। शैतान की ओर से बहुत विरोध है कि यह ना लाया जाये, परंतु जो भी है हम इसे यहां लायेंगे। हम विश्वास कर रहे हैं, यह सप्ताह हम सब के लिए महान होगा।

6 मैं वहां बैठे हुए सोच रहा था कि कितनी बार हमारा प्रिय भाई थॉमस व्याट जो चला गया, कोई संदेह नही, यहां से इसी प्रचार मंच पर से बोला, मसीह का एक महान दास।

7 मैं भाई व्याट को जानता था, वह सदा मेरे लिए एक महान प्रेरणा रहे हैं जब मैं उनसे मिलता और उनसे बाते करता। मुझे स्मरण है, एक प्रचारक लड़के समान, वह सदा... उसकी पुस्तक *चंगाई के पंख* कहलाती हैं। मुझे यह शीर्षक अच्छा लगता है, *चंगाई के पंख*।

8 और मैं इस आराधनालय में होने के लिए आनंदित हूं जो मसीह के सेवकाई के लिए समर्पित है। परमेश्वर उसकी विधवा को, और आशीष दे और आप सब लोग जो... निश्चय ही, मैं जानता हूं कि आप लोग भी उनका आभाव अनुभव करते हैं। मैं उनके कार्यक्रम से चूक गया जब मैंने सुना कि वह चले गए। मैं उस आवाज को सुनना पसंद करता हूं। वह आयु में थोड़े बढ़ रहे थे, परंतु फिर भी उनकी आवाज अच्छी मजबूत थी और परमेश्वर की ओर से संदेश था। और उसका जीवन अब भी आप लोगों में है। और वहां मिशन के कार्य क्षेत्र में जहां उसने वे इकाईयां भेजी और इस प्रकार से और सुसमाचार अब भी आगे बढ़ रहा है, थॉमस व्याट के कारण। जब तक हम उस समय महिमा वाले देश में नही मिलते हैं उसका प्राण शान्ति में विश्राम करें जहां कोई मृत्यु नही या बूढी आयू। अब हम लिये चलने के लिए है जब तक हमारा समय ना आए या वह महान सामान्य पुनरुत्थान जब यीशु हम सब को लेने को आता है।

9 अब मैं जानता हूं कि यहां आपकी सेवकाई है, मैं सोचता हूं आज रात्रि और मुझे कुछ क्षण पहले ही बताया गया, कि—कि आज रात्रि आपकी यहां सेवकाई है, इसलिए जितनी जल्दी संभव हो मैं करूंगा।

10 क्योंकि मेरे पास सोमवार रात्रि मंगलवार की, रात बुधवार की रात, और आदि–आदि है, इस सप्ताह में। इसलिये मैं विश्वास कर रहा हूं कि प्रभु हमें आशीषित करेगा। हम बिमारो के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। यदि वह चाहेगा हम मसीह का प्रचार करने जा रहे हैं, यदि यह उसकी इच्छा होगी उसकी सारी पुनरुत्थान की सामर्थ में कि वह हमें यह करने की अनुमति देगा। और वह जो भी करने को दे, वह हम अपने पूरे ह्रदय से करना चाहते हैं। और मैं—मैं जानता हूं, यदि वह हमें आशीषित करेगा, यदि हम बस उसका विश्वास करेंगे।

11 और अब इसके पहले हम उसका वचन पढ़ने के लिये खोले, मैं उससे फिर बात करना चाहता हूं, जब कि हम अपने सिर झुकाए हुए हैं और अब शांत हो जाये और विश्वास करें, संदेह समाप्त हो चुका। हम अनुभव करते हैं, सारे मसीही जानते हैं कि शत्रु, हमारा शत्रु हर प्रकार से कार्य कर रहा है। परंतु, देखिए, जब इस प्रकार की चीजें घटित होती है, बस शांत रहें। परमेश्वर जानता है कि यह सब क्या है। देखिए, शांत बैठे रहिए, वह इस समय कुछ कर रहा हो सकता है जिस विषय में आप इस समय ना जान सके। आइए उससे बात करें।

12 पिता, अब हम आप से प्रार्थना करते हैं कि आप समुंद्र को शांत कर देंगे! अब सामर्थी प्रभु यीशु अब अपने वचनों पर चलता हुआ आ सके, और नए अय्याम से हमारा परिचय कराये और उसकी सामर्थ और प्रगटीकरण। हम यह मांगते हैं, जैसे कि हम उसका वचन पढ़ते होने पाए, आज रात्रि ये हमारे ह्रदय में जीवित हो जाये, ताकि हम उसे उसकी पुनरुत्थान की सामर्थ में जान सके। हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

13 अब यदि हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में निकालेंगे। मैं एक पद पढ़ना चाहता हूं या दो, व्यवस्थाविवरण की पुस्तक 16 वां अध्याय व्यवस्थाविवरण का।

अबीब महीने को स्मरण करके, जिसका अर्थ अप्रैल है, *अपने परमेश्वर यहोवा के लिए फसह का पर्व मनाना; क्योंकि अबीब*

महीने में तेरा परमेश्वर यहोवा रात को... तुझे मिस्र देश से निकाल लाया।

इसलिए जो स्थान यहोवा अपने नाम का निवास ठहराने को चुन लेगा, वही अपने... क्षमा करना ... *परमेश्वर यहोवा के लिए भेड़ बकरियां और गाय बैल फसह करके बलि करना।*

उसके संग कोई खमीरी वस्तु ना खाना; सात दिन तक अखमीरी रोटी जो दुख की रोटी है खाया करना; क्योंकि तू मिस्र देश से उतावली करके निकला था... इस रात से तुझको मिस्र देश से निकलने का दिन जीवन भर स्मरण रहेगा।

सात दिन तक तेरे सारे देश में तेरे पास कहीं खमीर देखने में भी ना आए और जो पशु तू पहले दिन की संध्या को बली करें उसके मास में से कुछ बिहान तक रहने ना पाए।

फसल को अपने किसी फाटक के भीतर... जिसे तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे दे बली ना करना:

जो स्थान तेरा परमेश्वर यहोवा अपना नाम का निवास करने के लिए चुन ले केवल वही, वर्ष के उसी समय जिसमें तू मिस्त्र से निकला था अर्थात सूरज डूबने पर संध्याकाल को फसह का पशु बलि करना।

14 [एक बालक सभा में जोर से रोता है।—सम्पा।] जैसे की हम कुछ परेशानी फिर से है, मैं विश्वास करता हूं मैं इससे अधिक जोर से चिल्ला सकता हूं। हूं–हुह।

15 यह एक विचित्र मूलपाठ है, जिस पर मैं थोड़ी देर के लिए इस दोपहर बाद बोलना चाहता हूं, यह है: *परमेश्वर का दिया हुआ आराधना स्थल*।

16 अब, यह सामान्य है। इसके पहले मैंने बहुत बार कहा है, कि परमेश्वर अधिकांश असामान्य तरीके में रहता है, असामान्य स्थानों में असामान्य चीजें करता है क्योंकि वह असामान्य है जो भी उस पर विश्वास करता है और सामान्य व्यवहार करता है। यहां बहुत सारी बातें हैं जो कि हम उसके असामान्य के विषय में बोल सकते हैं। परंतु मैं जानता हूं कि सब जो उस से परिचित है वे उसकी असामान्यता को जानते हैं वह असामान्य चीजें करता है कभी–कभी असामान्य समय पर। इसलिए आज हम यह विश्वास

करते हैं कि परमेश्वर इन, पढ़े गए वचन पर आशीष देगा और जो मूल पाठ मैंने चुना है कि उस पर बात करूं।

17 अब, जो मैं सोचता हूं कि हमारी परेशानी का कारण यहां तक कि उन्होंने रिकॉर्ड केये हुए टेप काट दिए, और माइक्रोफोन से बिजली हटा दी। इसलिए यदि वे इसे ठीक नही करते, क्यों, जो भी है आप मुझे सुनेंगे। परमेश्वर हमारे कानों को सही रखेगा ताकि हम सुन सके।

18 कारण कि जो मैं इस मूल पाठ पर बोलना चाहता हूं, और यह करने के लिए यह एक अच्छा समय है फुल गोस्पल बिजनेसमेन की सभा में, क्योंकि सारी कलीसिया के लोग और उनमें से बहुत से इस झुंड में है, सारे विभिन्न नामधारी।

19 और बहुत सी बार में पाता हूं कि लोग उनसे सड़कों पर मिलते हैं, राजमार्गों पर, और हवाई जहाजों पर, रेल गाड़ी, बसों पर मैं उनसे कहूंगा, "क्या आप मसीही हैं? "

20 उनमें से एक कहेगा, "भई, मैं मेथोडिस्ट हूं। मैं बैपटिस्ट हूं। मैं प्रेसबीटेरियन हूं। मैं लूथरन हूं। पेंटीकोस्टल, " या इसी प्रकार का हूं।

21 हर किसी के पास एक नामधारी है, जिसका वह प्रतिनिधित्व करना चाहता है। और यह बिल्कुल सही सिद्ध है कि नामधारी के द्वारा प्रतिनिधित्व हो, परंतु, इसका एक बुरा भाग यह है कि प्रत्येक यह सोचता है कि केवल यही झुंड है, जो कि—कि स्वर्ग जा रहा है, और केवल यही है, जिसमें परमेश्वर का प्रतिनिधित्व है बस, यह किसी का झुंड है। मैंने सोचा इस दोपहर बाद यह अच्छा समय होगा कि इसे तय कर ले। [सभा सराहती है।—सम्पा।] और संभवता इसी कारण शैतान इस माइक्रोफोन पर कार्य कर रहा है। आप जानते हैं, कुछ भी जो मनुष्य बनाता है गलत हो जायेगा, परंतु जो परमेश्वर करता है, वह गलत नही होता। इसलिए करने के लिए अच्छा समय होते हुए, करने के लिए एक अच्छा स्थान, परमेश्वर अपने अनुग्रह के द्वारा करने में, हमारी सहायता करें, हम अपनी ओर से भरसक प्रयत्न करेंगे कि इस विषय में बात करें।

22 अब यह मूल पाठ है जो कि व्यवस्थाविवरण में से आ रहा है, मैं समझता हूं कि यहां व्यवस्थाविवरण… जैसे कि मेरे पास कुछ पवित्र वचन है, और चीजें यहां लिखी हुई है।

23 ऐसा हुआ करता था कि मैं इन पर जल्दी से विचार नही कर सकता था, परंतु जब से मैं पच्चीस का हो गया, दूसरी बार, यह मेरे लिए याद रखना थोड़ा कठिन हो गया है। इसलिए मैं कमरे में जाकर प्रार्थना करता हूं। और जैसे कि वह मुझे वचनों को देता है, मैं उन्हें लिख लेता हूं और लिख लेता हूं, और फिर अपना विचार करता हूं उसी प्रकार से जैसे उसने मुझे दिया है।

24 *व्यवस्थाविवरण* ग्रीक भाषा का शब्द जिसका अर्थ "दो नियम," शब्द व्यवस्थाविवरण। और परमेश्वर के दो विधान।

25 और उनमें से एक मृत्यु का नियम, उसके नियम का उल्लंघन करने से, हम यह पाते हैं जब हवा ने उसके वचन का उल्लंघन किया उससे मृत्यु आयी। उसका यह एक नियम है, "जिस दिन तुम उसे खाओगे, उस दिन तुम मर जाओगे।"

26 और फिर उसका दूसरा नियम है जो कि जीवन का नियम है आज्ञाकरिता का। यदि तुम *ऐसा–ऐसा* ना करो, क्यों, उसके वचन का पालन करो, आप जीवित रहोगे।

27 दो बातों का मंथन करें, मेरे विचार करने की रीति से जो कि, या तो, उसके वचन का पालन करो या उसके वचन का उल्लंघन।

28 ये नियम सीने पर्वत पर दिए गए। और दूसरा... यह मृत्यु का का नियम। दूसरा नियम केलवरी पर्वत पर दिया गया, जहां जीवन का नियम दिया गया था यीशु मसीह के द्वारा।

उसकी भी दो वाचाये थी।

29 उसकी आदम के साथ एक वादा थी, पृथ्वी पर पहला मनुष्य और वह वाचा शर्तों पर थी, "यदि तुम *ऐसा–ऐसा* करो, मैं *ऐसा–ऐसा* करूंगा।" आदम के पास करने के लिए कुछ था कि इस वाचा को परमेश्वर के समक्ष जीवित रखें। उसे परमेश्वर के मार्ग पर चलना था, उसके सारे वचन का पालन करके, एक भी वचन को ना तोड़े।

30 परंतु तब उसने दूसरी वाचा बांधी, और वह अब्राहम के साथ थी। इस वाचा में शर्तें नही थी, परंतु बिना शर्तो के थी। परमेश्वर ने अब्राहम को वाचा दी इससे कुछ भी नही बांधा। बिना शर्त के! ना कि, "मैं करूंगा।" "मैंने कर दिया! मैंने यह पहले ही कर दिया।"

31 यह वह नियम है जिससे मसीहों को जीना चाहिए। ये वह नही कि हम स्वयं में क्या करते हैं, परंतु उसने हमारे लिए क्या किया है। मसीह पहले ही बलिदान हो चुका है, ना कि, "वह होगा।" वह हो चुका! यह वह जो समाप्त हो चुका। वह जीया, मर गया, फिर जी उठा, स्वर्ग पर चढ़ गया, और पवित्र आत्मा के रूप में वापस आ गया। इसलिए यह कार्य परमेश्वर का पूरा हो चुका। मसीह कोई पाप नही जानता, मेरा बाप बन गया ताकी मैं उसके स्थान में खड़ा हो सकूं उसने मेरा स्थान लिया, कलवरी पर मैं उसके भीतर या जब वह मरा। वहां मुझे उसके साथ मरना ही था कि जीवित रहूं। क्योंकि पाप और मृत्यु की व्यवस्था देह में थी आपको मरना ही था कि उसके संग मेल मिलाप हो जाये।

32 परंतु अब हमारे पास ये सारे वचन है जो हम उपयोग कर सके, यह महान मूल पाठ हम सब इन बहुतो से परिचित है और वचन के महान प्रतीक। परंतु, इस दोपहर बाद हमारा इससे आमना-सामना है कि इस सबके सामने वह अब भी कहता है कि केवल एक ही स्थान है जहां वह आप से मिलेगा, हमारी सारी विभिन्न परिकल्पनाओं के सामने। हमारे पास यहूदीवाद था। हमारे पास इस्लामवाद था हमारे पास... बहुत प्रकार के मतसार थे और नामधारी और आदि-आदि, परंतु फिर भी परमेश्वर ने कहा कि केवल एक ही स्थान है, जहां वह आप से मिलेगा। वे सारे स्थान प्रत्येक यह कहता है कि, "वह मेरी कलीसिया में मिलता है। और यदि तुम मेरी कलीसिया से नही हो, तो वह—वह आपसे नही मिलेगा। आपको इस झुंड में होना ही है, या वह—या वह आपसे वहां नही मिलेगा। या वह आप से कहीं नही मिलेगा, सिवाय वहां के।"

33 और फिर हम यहां यह पाते हैं कि उसके पास एक स्थान है, केवल एक ही स्थान। "तू अपना बलिदान उस स्थान पर चढ़ाना जो तेरा प्रभु परमेश्वर चुनेगा।" अब उसके पास एक चुना हुआ स्थान है कि वह अपने आराधना करने वाले बालको से मिले, और उन्हें कहीं और बलिदान नही चढ़ाना है, सिवाये उस स्थान के। किसी और स्थान से काम नही चलेगा। उसके पास एक निश्चित स्थान है जहां वह उन से मिलेगा। और केवल एक स्थान, जहां वह अपने उपासकों से मिलता है।

34 तब, यदि यह सत्य है तो अच्छा है हम बहुत सावधान हो जाये कि हम उस स्थान को ढूंढ ले। मैं सोचता हूं यह हमारे लिए बहुत आवश्यक है कि

जैसा कि लोग तो जानते हैं, कि हम मर रहे हैं, और मरती हुई जाति में जीवित है, मरते हुए युग में जीवित है, मरते हुए राष्ट्र में जी रहे हैं, मृत्यु के झुंड तले।

35 और इस संसार का अंत होना ही है। यह अधिक नही चल सकता। पाप बहुत गहरा है। यह आशा से परे है। संसार के लिए अब कोई आशा नही। यह निकल गया।

36 मैं विश्वास करता हूं कि पवित्र आत्मा मैदान से सिला बिन रहा है, *इसको* और *उसको* ढूंढ रहा है, क्योंकि घड़ी बहुत बीत चुकी है। सुसमाचार हर राष्ट्र में प्रचार हो चुका। वादों और बातों ने इसका अनुकरण किया, परंतु सुसमाचार अब भी वैसे ही आगे बढ़ रहा है।

37 और अंत के समय में हम चीजों को घटित होते हुए देखते हैं, जिस प्रकार ये है, परमेश्वर के चुने हुए के बीच एक महान चेतावनी है कि ढूंढे क्या सही है। और हमें यह जानना आवश्यक है। अब किसी की परिकल्पना नही, परंतु यह जानना कि सत्य क्या है जो बाइबल कहती है वह सत्य है। क्योंकि अब इन दिन में हमारे लिए यह अधिक देर हो जायेगी और यह दिन हो सकता है, इसलिए हम वास्तव में विचार करें कि परमेश्वर ने क्या कहा है।

38 स्मरण रखें, जब परमेश्वर वचन बोलता है, तो उसे कभी भी वापस नही ले सकता, उसे सदा तक एक सा बना रहना है। वह कभी भी कुछ ऐसा नही कह सकता, और फिर कहे कि, "भई, मेरा—मेरा वास्तव में वह अर्थ नही था।" देखिए, वह अनंत है। वह आरंभ से ही सबसे अच्छा जानता है। हम बातें कहते हैं जो कि हम सोचते हैं, यह सबसे अच्छा है, फिर कुछ समय बाद हम उसे वापस लेते हैं। परंतु परमेश्वर यह नही कर सकता, और परमेश्वर बना रहे। इसलिए यदि वह अनंत है, वह—वह यह नही करता, क्योंकि वह हर वचन में सिद्ध है, वह कभी भी एक शब्द नही निकालता, जब तक कि वह अनंत ना हो। उसके सारे अनंत आरंभ से उसके साथ है, उसके विचार, उसके गुण और अब केवल इस संसार में आज प्रगट हो रहे हैं।

39 अब स्मरण रखे, उसने एक स्थान दिया है, केवल एक स्थान, जहां वह अपने विश्वास करने वाले बालकों से मिलता है। कहीं और यह कार्य नही करेगा।

40 स्मरण रखें, यीशु ने कहा, जब वह यहां पृथ्वी पर या उन के झुंड को ले रहा था, जो बहुत धर्मी थे, बहुत अच्छे, बहुत सभ्य, परमेश्वर के बहुत उत्साहित लोग, परंतु यीशु ने उनसे कहा, "तुम व्यर्थ मेरी उपासना करते हो," मनुष्य के रीति रिवाजों को शिक्षा बना कर सिखाते हो। स्मरण रखे, वे लोग कितने धर्म परायण थे, और परमेश्वर के लिए कितने उत्साहित। मैं विश्वास करता हूं कि यदि आज हम उत्साहित लोगों को गिने तो उन दिनों में, वे आज से अधिक उत्साहित होंगे, जो हम हैं। कहीं अधिक! जब यह रिवाजों और व्यवस्था के पालन करने पर आता है और वे बातें जो जिनमें वे जीये। और वे परमेश्वर के लिए बहुत उत्साहित थे। और उन्होंने परमेश्वर पर विश्वास किया। परंतु यीशु, परमेश्वर हमारे मध्य में देहधारी हुआ, उसने कहा, "तुम व्यर्थ मेरी उपासना करते हो।" अब, उसने यह नही कहा कि उन्होंने मेरी आराधना नही की। वे उसकी आराधना कर रहे थे, परंतु व्यर्थ में।

41 इसलिए कोई भी चीज व्यर्थ में, उससे कुछ नही मिलता, उससे कोई भलाई नही होती, आपको यह कभी नही करना है, क्योंकि आप बस अपना समय व्यर्थ कर रहे हैं। आप अपनी सांसे व्यर्थ गंवा रहे हैं, आप अपने यत्न बेकार कर रहे हैं, जब तक हम यह ना जान जाये कि हम क्या कर रहे हैं।

42 निश्चय ही, यदि परमेश्वर आशा करता है कि लोग सिद्ध हो जैसा कि यीशु ने कहा, "तुम सिद्ध बनो जैसे तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में सिद्ध है," कहीं तो कोई तैयारी होनी चाहिए। और उसने कहा, "मैं स्थान चुनूंगा, जहां लोग मेरी आराधना करेंगे, मैं किसी दूसरे स्थान में उन से नही मिलूंगा।" और अब, वही स्थान होना चाहिए, और हमें यह सोचना चाहिए कि यह कहां पर है और फिर वहां जाये। मैं सोचता हूं हमें वही मुड़ना चाहिए, जितनी जल्दी हो, जब हम स्थान पाते हैं, तो दूसरी चीजों को छोड़ दे।

43 अब, स्मरण रखें, यीशु में इसी वचन में जिसका मैं उल्लेख कर रहा हूं कहता है। तो फिर मनुष्य के रीति–रिवाज बेकार है। हम इनमे पड़कर मुर्ख ना बने। कहीं किसी स्थान की आवश्यकता है, कि कोई स्थान है, जो स्थान हमें दिया गया है कि हम आ सके और आराधना स्वीकार होगी। अब स्मरण रखें, उस चुने हुए स्थान के बाहर, कोई मतलब नही, आप कितने ईमानदार है, आप कितने आधारभूत है, आप अब भी व्यर्थ उपासना कर रहे हैं।

44 मैं जानता हूं यह कठोर जान पड़ता है। परंतु इमारत लगभग पूरी होने पर है हम नही चाहते कि हिलने वाली हो। हम सुसमाचार से इसे पक्का कर दें, ताकि जब लोग आपसे सड़क पर मिले, या जहां कहीं आप हो, आप मसीहों ताकि आपके पास उनके लिए उत्तर होगा।

45 इसी घड़ी में जब वे कह रहे हैं, "ओह, *यह* है। और मैंने देखा है, *इससे* यह होता है, और *वह* यह करता है।" निश्चय ही, ये सारी बातें घटित होनी है। परंतु एक स्थान है, जो केवल परमेश्वर के द्वारा दिया गया है, और यह वही स्थान है, जहां परमेश्वर केवल अपने उपासक से मिलता है।

46 अब दूसरे पद पर ध्यान दे, "उस स्थान में आराधना करो, जिसे मैंने चुना है।" क्या चुना है? इस स्थान पर दर्शाता है कि उसके पास स्थान है जहां सारे लोग आराधना करते हैं। दूसरे स्थान व्यर्थ हैं। "और इसी स्थान में," उसने कहा, "मैंने यह भी चुना है कि मैं अपना नाम उस स्थान में रखूं, मैं एक स्थान में रखू। मैं एक स्थान चुनूंगा, और मैं अपना नाम उसमें रखूंगा, इसी स्थान में वह आराधना करने वाला है।"

47 अब, यह ये दर्शाता है कि एक स्थान है, केवल एक। यह परमेश्वर ही के द्वारा चुना होना चाहिए; यह हमारा नही हो सकता। हमारे पास आने का कोई विकल्प नही; उसने पहले ही चुन लिया। अब, जो परमेश्वर ने चुना है वह यही सही है। मैं गलत चुन सकता हूं, परंतु परमेश्वर नही कर सकता, ठीक चुनता है। कुल मिलाकर, यही वह है जिसकी आराधना होनी है। और उसके पास स्थान है जहां वह चाहता है उसका उपासक वहां मिले। केवल वही स्थान है जहां वह टिकता है; केवल एक ही स्थान है, जहां से वह आपकी सुनता है।

48 हम यहां पर यह भी ध्यान दें, "वह स्थान जिसे मैंने अपनी आराधना के लिए चुना है, मैं अपना नाम उस स्थान में रखूंगा।"

49 ओह, अब वचन में उस स्थान को ढूंढें जिसमें उसका नाम है। अब हमारे पास छाया और प्रतीक सारी बाइबल में है, हम विभिन्न स्थानों के विषय में जानते हैं, जहां वह उन से आज मिलेगा। क्योंकि वे केवल उसकी केवल आने वाली छाया बना रहे थे कि वास्तविक स्थान में आ जाये जहां वह लोगों से मिलता है वह स्थान वह कलीसिया जहां उसे मिलना है। और वहां एक स्थान, एक कलीसिया है जिसके लिए परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी है

कि वह लोगों से इस स्थान में मिले और उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर दें, यदि वे केवल इस स्थान में आए और उसकी आराधना करें।

50 अब हम पाते हैं कि वहां बहुत से दावे हैं कि—कि उनके पास स्थान है, कि परमेश्वर का नाम उनके स्थान में है। परंतु, आप देखिए, *उन्होंने* परमेश्वर का नाम उन्होंने वहां रखा है। इसमें बहुत अंतर है कि परमेश्वर ने अपना नाम वहां रखा और कोई वहां रख रहा है वहां उसका नाम। समझे? हमें याद रखना चाहिए कि परमेश्वर ने कहा वह रखेगा। "मैंने अपना नाम रखा है। मैं अपना नाम इस स्थान में रखूंगा। और वही स्थान होगा, जो मैं चुनता हूं और मैंने सुना है कि लोगों को वहां आराधना करनी चाहिए।"

51 अब, यह हमारे सामने दृश्य लाता है, इन छायाओ का समय मसीह को नये दृश्य में लाता है। सारा पुराना नियम यीशु की पूर्व छाया है। मिस्र में उस रात्रि जब वहां फसह होना था, मेमना लोगों कीकि सुरक्षा के लिए मारा गया, हम अनुभव करते हैं कि परमेश्वर का एक स्थान है, एक शर्त। कोई अर्थ नही, कितने युवा, कितने पुराने याजक, एक क्लर्जी मेन, आप जो भी थे, आपको इस निश्चित स्थान में होना चाहिए। उस स्थान से बाहर नष्ट हो गए, आपको इस एक स्थान में होना है, वह स्थान जो उसने दिया।

52 अब, हम इस दोपहर बाद में, इसकी व्याख्या के लिए पर्याप्त समय ले सकते थे जो कि इस बात को दोहराना था, जो हम पहले ही जानते हैं कि कैसे मसीह प्रतीकों में पूर्वछाया हुआ। बलि का मेमना, इसे कैसे रखना चाहिए, एक नर बिना दोष का और इसे प्राचीनो द्वारा कैसे मारा जाना चाहिए, और कैसे लहू को द्वार पर छिड़कना चाहिए, सारी पूर्वछाया मसीह का आगमन है। और इस बहाये हुए लहू के नीचे वह स्थान है कि परमेश्वर उपासक से मिला, जब मृत्यु का वह दूत उस देश में से होकर निकलेगा।

53 मैं विश्वास करता हूं कि हम पहले ही मिस्र से बाहर निकलने को तैयार है, इन्हीं किन्हीं दिनों में और इस प्रतिज्ञा के देश में चले जाये। और यही समय है किसी एक दिन हम सही स्थान को पा लेंगे, और इस झंडे जो आस-पास है, छोड़ जाऊंगा, "मैं प्रेसबीटेरियन हूं। मैं मेथोडिस्ट हूं। मैं बैपटिस्ट हूं। मैं *यह* हूं और मैं *वह* और *दूसरा* हूं।" इससे बाहर निकले और ढूंढे कि वह स्थान कहां है, क्योंकि चारों ओर मृत्यु है, सिवाय उसके चुने हुए स्थान के। मृत्यु आक्रमण करेगी, जैसा कि संसार निश्चित है, यदि

हम उसके चुने हुए स्थान में नही है। परंतु जहां वह चुनता है, मृत्यु नही आ सकती।

54 यदि आप बलिदान के मेमने पर ध्यान दें, तो मृत्यु वहां पहले ही पहुंच चुकी। मृत्यु इस स्थान में आ गई थी, क्योंकि मेमना मर चुका था। मृत्यु पहले आ चुकी थी और इसलिए जहां मृत्यु आ चुकी थी, तो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की, वह स्थान उसका होगा। तो, फिर वह दृश्य में है, अब हम देखते हैं कि बलि किया हुआ मेमना क्या था, जीवन का स्थान उस समय क्या था।

55 अब मेरे लिए सारे तक समाप्त है, मसीह के साथ दृश्य में बलिदान का मेंमना होने के कारण, यह सारे नामधारियों को समाप्त करता है, सारे मतदार, सारे धर्म सिद्धांत, सारे कलीसियावाद, यह सारी बातों को समाप्त करता है। यह ठीक बात है, क्योंकि हम यहां पर यह पाते हैं, उसको दृश्य में देखते हैं, क्योंकि वह शुद्ध बिना मिलावट वाला परमेश्वर का वचन है। संत यूहन्ना एक में कहा, “आदि में वचन था। और वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे मध्य में रहा।” इसलिए यह परमेश्वर का शुद्ध वचन देहधारी हुआ प्रगट हुआ।

56 और इस दृश्य को हम इसे आज संसार में किसी भी कलीसिया में नही जोड़ सकते, किसी नामधारी से नही। इस प्रकार के किसी स्थान से नही हम इसे नही जोड़ सकते क्योंकि यह ऐसा नही है। हम मसीह का नाम किसी इमारत पर लगाते हैं और इसे “मसीह” की कलीसिया कहते हैं और *यह* और *वह आदि* थे। इसको वैसा नही बनाता, यह बिलकुल भी वैसा नही करता। परंतु जब परमेश्वर अपने नाम को नही रखता है यही है, यही है जो करता है।

57 अब, बाइबल में ऐसा कुछ नही है जो आधुनिक संस्था का प्रतीक हो सिवाये बाबुल के। बाइबल में केवल यही एक प्रतीक है इस आधुनिक संस्था का, संस्थागत धर्म, क्योंकि यह निम्रोद के द्वारा आरंभ किया गया और धार्मिक लोगों के मध्य में यह जबरदस्ती की एकता है। और यही जो मतसार और हमारे नामधारी आज कर रहे हैं, जबरदस्ती की एकता, “या तो आप इसके साथ हो जाये या आप बाहर है!” और अब हम आ रहे हैं जैसा कि हम देख सकते हैं, एक मजबूरी वाली महान एकता। परंतु यह मनुष्य द्वारा द्वारा यांत्रिक रूप की सलाह है, और यह नही चलेगा। यह परमेश्वर

की इच्छा नही है। यह परमेश्वर की योजना नही है कोई मतलब नही कि लोग इसे किस प्रकार से बताने का यत्न करते हैं, यह नही हो सकता, ऐसा होना यह असंभव है। परमेश्वर अपना नाम ऐसी चीज में रखेगा जो उसके वचन का इंकार करें। परमेश्वर ऐसी चीज में कैसे रह सकता है, जो उसके अपने वचन का इंकार करें? आप यह नही कर सकते।

58 इसलिए हम पाते हैं, यह किसी भी कलीसिया के साथ जोड़ा नही जा सकता, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट प्रेसबीटेरियन, पेंटीकोस्टल, कैथोलिक, ग्रीक ओर्थोडोक्स, यह जो कुछ भी हो सकता है। यह फिर भी परमेश्वर की आराधना का स्थान नही है।

59 अब परमेश्वर ही जिसने यह प्रतिज्ञा की सामने आया और इसे सिद्ध किया। यह ठीक बात है। इसी प्रकार से इसे करना है। यदि वह अब भी परमेश्वर है, तो वह अब भी परमेश्वर है, यदि वह कभी परमेश्वर था, वह परमेश्वर बना रहता है!

60 और अब हम इस मजबूरी के धर्म को देखते हैं, ठीक अपने दृष्टि के सामने कि सारे छोटे झुंडो को "एक महान एकता" में लाए जो वे कहते है। उनमें से कुछ *इसमें* विश्वास करते हैं कुछ उनमें से *उसमें* विश्वास करते हैं कुछ *इसका* इन्कार करते हैं, और कुछ *उसका* इन्कार करते हैं। बाइबल ने कहा, "यदि दो जन सहमत ना हो तो वे कैसे एक साथ चल सकते हैं? " यह कभी कार्य नही करेगा।

61 हमें एक सहमति में होना ही है। और कैसी किसकी सहमति? एक दूसरे की सहमति में नही, जितना अधिक हो सके हमें वचन की सहमति में आना है परमेश्वर के साथ। यही है, जिसकी सहमति में हमें होना है।

62 अब हम हम पाते हैं एक मजबूरी वाली एकता बाबुल में एक लोगों के झुंड के द्वारा दर्शायी गई। परमेश्वर अपना नाम ऐसी किसी चीज़ में नही रख सकता, उसने कभी नही किया वह कभी नही करेगा। यदापि उन्होंने इसका यत्न किया, उन्होंने अपना नाम इसमें रखा और उसका नाम इसमें रखा, परंतु यह ऐसा नही।

63 परंतु हमें मालूम करना चाहिए कि उसने अपना नाम कहां रखा है, क्योंकि वही स्थान और केवल वही स्थान है, जो उसने एक मसीही को आने के लिए दिया है, और विश्वासी बालको को और उसकी आराधना इस स्थान में करें। यह स्थान क्या होगा?

64 अब इसके समर्थन में हम सारी बाइबल को इसके समर्थन में ले सकते हैं जो मैं कहने जा रहा हूं। क्योंकि वह स्थान जो उसने मसीह में चुना है, यीशु मसीह में। यह उसमें है, उसका पुत्र; परमेश्वर का पुत्र, यीशु मसीह।

65 "अच्छा," आपने कहा, "मैंने सोचा जो वचन यहां पढ़ा कि उसने कहा वह स्थान को चुनेगा, और वह अपना 'नाम' भी उसमें रखेगा।"

66 भई, पुत्र सदा अपने पिता का नाम लेता है। मेरा नाम ब्रन्हम है, क्योंकि मेरे पिता का नाम ब्रन्हम था।

67 और यीशु ने कहा वह अपने पिता के नाम में आया है। संत यूहन्ना 5:43, "मैं अपने पिता के नाम में आया हूं और तुम मुझे ग्रहण नही करते," इसलिए यही जहां परमेश्वर ने अपना नाम रखा है, अपने पुत्र के बलिदान के नीचे। यही केवल परमेश्वर के द्वारा दिया गया स्थान है। यही जहां लोग परमेश्वर से मिल सकते हैं वह मसीह में। यही उसका दिया गया स्थान है। कोई नामधारी नही कोई मतसार नही, कुछ नही जहां परमेश्वर ने मिलने की प्रतिज्ञा दी है। केवल यीशु में वह मिलेगा, केवल वही स्थान है जहां उसका नाम है।

68 और यीशु से यह भी सुनते हैं जैसे कि मैं वचन में आता हूं यूहन्ना, यूहन्ना का 5वां अध्याय और 43वां पद, उसने कहा, "दूसरे आयेंगे, और अपने नाम में आएगा और उसको तुम ग्रहण कर लोगे।" हम मतसार में शामिल हो सकते हैं, "दूसरा," हम नामधारी में जुड़ सकते हैं, आप उसे ग्रहण करेंगे; परंतु जब आप यीशु को ग्रहण करते हैं, तो यह भिन्न है। "दूसरा आएगा, 'मैं कहूंगा, मैं मेथोडिस्ट हूं, मैं बैपटिस्ट हूं, मैं प्रेसबीटेरियन हूं,' आप उसे ग्रहण करोगे, ठीक है। परंतु मैं अपने पिता के नाम में आया हूं, वह कर रहा है जो पिता ने कहा मैं करूंगा, और तुम मुझे ग्रहण नही करते।" उसने कहा, "यूहन्ना आया और उसके पास एक महान गवाही थी, परंतु मेरे पास परमेश्वर—परमेश्वर में महानतम गवाही है, उससे जो यूहन्ना ने दी। क्योंकि जो पिता ने मुझे करने को दिया जो मैं करता हूं," वे वचन जो उसके विषय में लिखे हैं, उसे उस दिन में क्या होना चाहिए। क्योंकि वो...

69 उसका नाम परमेश्वर था। परमेश्वर के बहुत से उपनाम है। *परमेश्वर* एक उपनाम है, स्वयं में, यहोवा–यीरे कहलाता था, यहोवा–राफा, यहोवा–मनश्शे। वह शारोन का गुलाब, घाटी की लिली, भोर का तारा;

अल्फा, ओमेगा, आरंभ और अंत; फिर पिता, पुत्र, पवित्रात्मा; यह सारे उपनाम।

70 परंतु उसका नाम, परमेश्वर का नाम "यीशु मसीह," है वह अभिषिक्त। यही उसका नाम है। उसके बहुत से उपनाम है, परंतु केवल एक नाम, केवल, "कोई और दूसरा नाम स्वर्ग के नीचे नही दिया गया, मनुष्य के बीच, जिसके द्वारा आप बच जाये।" हम पाते हैं, यह सत्य है।

71 यह भी चेतावनी की, "जब यह दूसरा वाला आता है जो अपने ही नाम में आता है, 'मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, पेंटीकोस्टल,' आदि–आदि, तुम उसे ग्रहण करोगे। तुम उसके संग मिल जाओगे।" परंतु मसीह को अस्वीकार कर दिया, वे उसे स्वीकार करते हैं।

72 भविष्यवक्ता ने कहा! आइए थोड़ा सा उसका नाम ढूंढे। भविष्यवक्ता ने कहा, "उसका नाम कहलायेगा, 'इम्मेनुएल।'" अब, यशायाह ने कहा, लगभग सातवे अध्याय में। और मती 1:23 में भी, कहा, "यह सब हो चुका, ताकि प्रभु के भविष्यवक्ता द्वारा जो बोला गया वह पूरा हो सके, कह रहा है, 'उसका नाम *इम्मेनुएल* कहलायेगा, जिसका अर्थ है, "परमेश्वर हमारे संग।"'"

73 इम्मेनुएल, और उसका नाम यीशु था, परमेश्वर हमारे संग, अपने पिता के नाम के साथ। वह अपने पिता के नाम में आया। यही जहां परमेश्वर ने अपना नाम रखा, अपने पुत्र में। केवल यही स्थान है कि आप उसकी आराधना कर सकते हैं। केवल यही स्थान जहां कभी परमेश्वर आपसे मिल सकेगा, अपने पुत्र में जो कि बलिदान के मेमने का प्रतीक हुआ। और सारे पुराने नियम में होते हुए सारे प्रतीक उस एक चीज में लाया केवल वही स्थान, परमेश्वर केवल बलिदान के लहू के नीचे मिला; केवल यही स्थान जहां वह मिला। और आज केवल उसी स्थान में मिलता है; यह मतसार का नाम नही या नामधारी के नाम में, कलीसिया के नाम में, या झुंड के नाम में, या संस्था के नाम में, परंतु "यीशु मसीह" के नाम में!

74 जब मैं एक युवा था मैंने इसे परखा। मैंने अक्सर शैतान के प्रेतवाद के लिए सुना था, कि वह कैसे चीजों को करता है। और मैं जानता था यदि कोई परमेश्वर था, तो शैतान भी होना चाहिए क्योंकि बाइबल ने कहा कि एक शैतान था। और वह, मैंने सोचा… इन प्रेत से व्यवहार करने वालों के विषय में सुन मैं उनमें से कुछ के पास गया, पाया कि वे आवाजे थी, इससे कुछ

नही, बस बनावटी विश्वास का एक बड़ा झुंड। परंतु मैंने पाया कि उनमें से कुछ वास्तव में प्रेतों से व्यवहार करने वाले थे।

75 एक बार मैं एक कैंप (पड़ाव) में था, जहां एक सेवक और मैं उन्हें देखने के लिया गया। उन्होंने मेज को फर्श पर से उठा दिया था, और उस पर शराब का गिलास रखा था; और उस मेज को लिया और इधर–उधर उल्टा और गिटार इमारत में उड़ रहा था; लोगों के कपड़े। यह सब ऊपर, कमरे में था। बोला, इस माध्यम ने कहा, "मैं चुनौती देता हूं, कोई भी इसे नीचे उतार दे।"

76 दो मनुष्य ने कहा, "मैं इसे नीचे उतार दूंगा।" उन्होंने इसके पांवो को *ऐसे* पकड़ लिया, और उसे पकड़े रहने का यत्न किया। यह नही होगा। क्यों, मेज ने उन्हें फर्श पर दूर फेंक दिया।

77 आप आसपास ना बैठे। यदि कभी मिशनरी नही रहे हैं और कार्यक्षेत्र में, आप केवल एक बात जानते हैं कि यह एक शैतान का विचार है। यदि आप यहां इस तरह के लोगों को देखें यह सड़कों पर घूमते हैं, आप इसे देख सकते हैं। परंतु एक शैतान है! निश्चय ही है।

78 और लोग शैतान कि आराधना करते हैं, यह भी नही जानते कि क्या कर रहे हैं। वे कलीसियाओं में शैतान की आराधना करते हैं, "मनुष्य की आज्ञाओ की शिक्षा देते हैं, मतसार—मतसार और रीति रिवाज।" मैंने कहा...

79 यह स्त्री मुझ पर चिल्लाई और बोली, "वे मुझे बताते हैं कि तुम प्रचारक हो।"

मैंने कहा, "मैं हूं।"

80 उसने कहा, "तब यदि तुम नही करते... " बोली, "इस विषय में तुम क्या सोचते हो? "

मैंने कहा, "यह शैतान है।"

81 और उसने कहा, "अच्छा, तो, यदि तुम्हारे पास इतनी अधिक सामर्थ है, इसे नीचे गिरा दो।"

82 और मैंने कहा, "मेरे पास कोई सामर्थ नही है, बिल्कुल नही। मेरे पास कोई शक्ति नही, परंतु मैं यहां किसी का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं।"

83 मैंने कहा, “प्रभु यीशु, आपने संत मरकुस 16 अध्याय में कहा, ‘मेरे नाम से वे प्रेत आत्माओं को निकालेंगे।’” मैंने कहा, “अब ताकि तेरा दास जान सके, जैसे कि युद्ध मेरे सामने है!”

84 मैंने कहा, “मैं आज्ञा देता हूं कि यह मेज नीचे गिर जाये ‘पवित्र कलीसिया’ के नाम में,” और वही टिकी रही। मैंने कहा, “मैं आज्ञा देता हूं कि यह मेज ‘पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा’ के नाम से,” वह ठीक वही टिकी रही। मैंने कहा, “मैं आज्ञा देता हूं कि यह मेज ‘यीशु मसीह’ के नाम में नीचे गिर जाये,” और चाहता हूं कि इसके सारे चारों पाए फर्श पर गिर कर अलग हो जाये!

85 “मेरे नाम से वे प्रेत आत्माओं को निकालेंगे!” यही पिता का नाम है। उसने अपना नाम यीशु मसीह में रखा है। और उसमें वह मिलता है कि आराधना हो उसमें वह मिलता है कि प्रेत आत्माओं को निकालें। उसमें वह मिलता है कि बीमारों को चंगा करें। उसमें वह मिलता है कि बचाए। उसमें वह मिलता है कि बचाए, पवित्र आत्मा से भरता है। यह परमेश्वर का मात्र स्थान है, लोगों से आराधना के लिए मिले। अब हम पाते हैं कि यीशु ने यह भी कहा... वह वचन, *यीशु* नाम का अर्थ “यहोवा–बचाने वाला,” यहोवा बचाने वाला।

86 स्मरण रहे, “तुम प्रभु की आराधना नही करोगे... ” 5, पद 5, “तुम प्रभु की आराधना किसी फाटक में नही करोगे, जो प्रभु परमेश्वर तुझे देता है। कोई भी फाटक, तू उसकी आराधना वहां ना करना,” परमेश्वर ने 5 पद में यहां कहा, व्यवस्थाविवरण के 16 में। “तू किसी फाटक में उसकी आराधना ना करना, जो प्रभु परमेश्वर तुझे देता है। वह यह चीजें आपको ललचाने के लिए देता है।” इस सप्ताह हम इस में जाने वाले हैं, प्रभु ने चाहा देखते हैं कि परमेश्वर अपना वचन वापस लेता है या नही। ध्यान दे, वह आपको वे फाटक देता है, परंतु आप उनमें से किसी फाटक में उसकी आराधना ना करना, क्योंकि प्रभु तेरा परमेश्वर वहां तुझ से नही मिलने वाला है।

87 परंतु, प्रभु परमेश्वर ने फाटक चुना है। उसके द्वारा चुना है। यीशु ने कहा, संत यूहन्ना के 10 वें अध्याय में, “मैं भेड़शाला का द्वार में हूं। मैं वह द्वार हूं।” वह यहोवा–बचाने वाला है।

88 इसकी व्याख्या करने के लिए है, हम घंटों चल सकते हैं। परंतु मैं निश्चित हूं कि आप इसे समझते हैं, आपके व्यवहार के द्वारा, जैसा कि आप—आप सत्य और वचन के प्रति उत्तर देते हैं। इसलिए हम और आगे नही जायेंगे, आप जहां भी चाहे आप इसे ले सकते हैं। हर कहीं जहां आप आते हैं यदि यह सत्य है तो यह ठीक बाकी वचन के साथ मेल खाएगा। आप ऐसा नही कर सकते कि बाइबल एक स्थान पर ये कहे और दूसरी जगह कुछ, और जो पहले कहा उसके विरोध में, सारे समय यह एक सा होना चाहिए।

89 इस पर मैं बहुत सा वचन छोड़ रहा हूं, सिर्फ इसलिए मैं देख रहा हूं कि हमें देर हो रही है। और हमारी बहन और उनकी आज रात्रि सभा है और हम बीमारों के लिए प्रार्थना करना चाहते हैं। यह है, और पाते हैं, बिली, यदि उनके पास कुछ प्रार्थना पत्र है।

90 [कोई कहता है, "नही आज रात्रि कोई सभा नही है।"—सम्पा।] कोई सभा नही। अच्छा। अच्छा, अच्छा। ठीक है। अब आइए हम इसे देखें। ठीक है। ठीक है [सभा आनंद करती है।] हम विश्वास करते हैं प्रभु इस महिला को इसके लिए आशीष देगा कि हमें यह स्थान लेने दिया, हमें यह समय दिया।

91 बहुत सारे पक्के प्रमाण है कि यीशु ही स्थान है। वह द्वार है, वही नाम है और केवल परमेश्वर दिया मार्ग, जो मनुष्य के लिए परमेश्वर के पास है कि आराधना में उससे मिले। वही मार्ग, सच्चाई, जीवन; फाटक, द्वार है; अल्फा, ओमेगा, आरंभ और अंत; शारोन का गुलाब, घाटी की लिली, भोर का तारा; अल्फा, ओमेगा। वह सब है, सारी चीजें एक साथ रख दो। वही जड़ और दाऊद का पुत्र है, चमकने वाला भोर का तारा। उसमें परमेश्वरत्व की सारी परिपूर्णता निवास करती है, पूरी तरह से, जहाँ हम उसमें परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां है। हां। जैसे पुत्र और पुत्रियां हम एक परिवार में है, यदि आप वहां उसमें है।

92 अब हम आराधना के इस महान स्थान में कैसे भीतर जाये? यह अगला प्रश्न है। हम इस स्थान में कैसे प्रवेश करें यदि यीशु वह स्थान है? वह परमेश्वर का नाम है। वह परमेश्वर की आराधना का स्थान है। और केवल वही भेड़शाला का द्वार है। और हम यह जानना चाहते हैं, कैसे फिर हम उस में प्रवेश करें।

93 अब यदि आप द्वार में हैं निसंदेह, आप जैसे एक परिवार में अंदर आते हैं जैसे कि हम उस दिन बात कर रहे थे... या नाश्ते पर, उस छोटी भेड़ के विषय में परमेश्वर द्वार को बंद नही करेगा, जब तक वह अंतिम भेड़ को ना ढूंढ ले और उसे भीतर ले आए। यदि आप अंदर आए हैं, तो आप एक परिवार हो गए आप परमेश्वर का परिवार है जब आप परमेश्वर में आ जाते हैं। परंतु आप परमेश्वर का परिवार और प्रेसबीटेरियन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट और पेंटीकोस्टल नही हो सकते। आप यह नही कर सकते। आपको यीशु मसीह में ही आना है।

94 "अच्छा," आप कहते हैं "हमने यह किया है।" हम देखेंगे यदि आपने किया है।

95 चलिए ढूंढते हैं अब बाइबल क्या कहती है। पहले कुरन्थियो 12 वे अध्याय में हम पाते हैं, बाइबल कहती है, "एक ही आत्मा के द्वारा हम सब ने एक देह में बपतिस्मा लिया।" हमने मसीह के देह में एक ही आत्मा के द्वारा बपतिस्मा लिया। हम इसमें डगमगाते नही, हमने इसमें सदस्यता नही ली, हमने इसमें पानी से बपतिस्मा नही लिया, हमने पवित्र आत्मा के साथ बपतिस्मा लिया, यीशु मसीह की देह में।

96 जब आप उसमें आ जाते हैं तो यह किराने समय तक चलता है? जब तक आप दुर्व्यवहार नही करते? इफिसियों 4:30 कहता है, "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित ना करो, जिसमें कि तुम छुटकारे के दिन तक मोहर बंद हो।" उससे विवाद करें, मुझ से नही, यही जो यह कहता है मैं इसे पढ़ रहा हूं। ठीक है। "आप तब तक मोहर बन्द है, आप के छुटकारे के दिन तक," उस दिन तक जब यीशु आपके लिए नही आता।

97 तो फिर इस पर सोचे, तो फिर आप अपने नही है, आप नई सृष्टि है, क्योंकि यूनानी का अर्थ है "एक नई सृष्टि।" आपका फिर से सृष्टि की गई। परमेश्वर की सामर्थ आपके ऊपर आई, और आप नई सृष्टि हो गए; एक नया प्राणी जो कि सारे शारीरिक जीव को ले आता है आत्मिक जीव और हर चीज परमेश्वर के वचन के अधीन। किसी और रीति से नही!

98 आप कैसे कह सकते हैं कि आप मसीही है, और उसके वचन का उल्लंघन करें एक चीज में? जो कोई भी व्यवस्था का उल्लंघन इसके एक—एक भाग में करता है, वह सारे का अपराधी ठहरता है। जो कोई भी! यीशु ने कहा, "जो भी मनुष्य केवल रोटी से जीवित नही रहेगा, परंतु हर एक वचन

जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।” वचन का कोई भाग नही; हर वचन! कि उसने कहा प्रकाशितवाक्य का 22 वां अध्याय, “जो कोई इस पुस्तक में से एक भी वचन निकाले या एक वचन मिलाये, तो उसका—उसका भाग जीवन की पुस्तक में से निकाला जायेगा।” हमें बाइबिल में से निकालना नही है, या उसमें मिलाना। बस वही कहे जो यह कहती है।

99 और पहले कुरिन्थियों 12 में यह कहा, “एक ही आत्मा के द्वारा, हम सब ने एक ही देह में बपतिस्मा लिया।”

100 अब इस देह में होने के बाद, रोमियो 8:1 में कहा, “अत: अब जो मसीह में है, उन पर दंड की आज्ञा नही, क्योंकि वे शरीर के अनुसार नही वरन आत्मा के अनुसार चलते हैं।” ऐसा स्थान है, जहां पर कोई दंड नही। चाहे आप मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, कलीसिया में जाये, ये जहां भी हो; यदि आप मसीह में है, तो आप एक नई सृष्टि है तो आप पर दंड की आज्ञा नही, कहीं भी, बिलकुल नही। यह परमेश्वर के मिलने का स्थान है, जहां परमेश्वर उपासक से मिलता है। यही जहां आप एक नई सृष्टि गिने जाते हैं, क्योंकि वे संसार की वस्तुओं के लिए मर गए। वे उसमें जीवित है। परमेश्वर की जीवित उपस्थिति उनके साथ है, प्रतिदिन।

101 वह उनमें से होते हुए हर युग में जीता है। हर युग जो आता है इस बाइबल में होता हुआ जब मनुष्य परमेश्वर कि इच्छा में होते हुए मिलता हैं, तो उस स्थान में आता है, जो उसने अपने लिखित वचन में दिया है, उस दिन के लिए, परमेश्वर उस व्यक्ति को नई सृष्टि बनाता है, और उस पर कोई दंड नही। अय्यूब को देखें।

102 क्या इस माईक से बहुत जोर से आपके कानों पर दबाव डाल रहा हूं? मुझे इसके लिए खेद है। मैं जानता हूं यह यहां पर गूंजता है। इसे मैं यहां स्वयं सुन रहा हूं।

103 परंतु, अय्यूब को देखें, चाहे जो भी हो कितने भी लोग उसे दोषी ठहराने का यत्न करें, कितने भी कहे कि वह गलत है, वह परमेश्वर की आज्ञा का पालन कर रहा था, उस हृदय जलाने के द्वारा। उसे मालूम है कि वह न्यायोचित ठहर चूका, क्योंकि वह परमेश्वर की आज्ञा का पालन कर रहा है। इस प्रकार से वह न्यायोचित ठहरा था, क्योंकि वह उन कार्यों को कर रहा है जिन्हे परमेश्वर चाहता है कि वह करे।

104 परमेश्वर की जीवित उपस्थिति दिन में उजियाला देती है, हर दिन, उस मतसार की मृत्यु से और उस दिन के वचन को। अब, परमेश्वर के पास चीजें हैं, जो वह करता है।

105 एक—एक छोटे फूल के समान जैसा कि मैंने उस प्रात: नाश्ते पर कहा था। जब बीज पर उजियाला आता है वह बढ़ना आरंभ हो जाता है। वह परमेश्वर के सोते से पीता है, वह ऊपर बढ़ता जाता है, जब तक की कली वाला भाग नही आ जाता, और फूल नही बन जाता, और खिलने लगता है।

106 अब हम पाते हैं कि जब हम मसीह के साथ आरंभ करते हैं हम उसी प्रकार से बढ़ते हैं, क्योंकि हम अनुग्रह और परमेश्वर की चेतावनी में बढ़ते हैं।

107 परमेश्वर का केवल दिया हुआ स्थान उसके वचन में किसी भी युग के लिए। उसका पुत्र आया और हर प्रतिज्ञा को प्रगट किया जो उसके युग के लिए प्रतिज्ञा दी गई है। सारे भविष्यवक्ता सही समय पर आए वे परमेश्वर के वचन पृथ्वी पर निवास कर रहे थे। वे वचन थे। यीशु ने कहा कि वे "ईश्वर" थे। यीशु ने उन भविष्यवक्ताओं को "ईश्वर," कहा।

108 एक व्यक्ति मुझे जो मेरी अंत में हुई मिला, उसने कहा, "आप एक बेचारे धर्म ज्ञानी है।"

109 और मैंने कहा, "मैं एक होने का दावा नही करता।" मैंने कहा, "वचन धर्म शास्त्री के पास नही आता; धर्म विज्ञान करता है।" वचन आता है... समझे? मैंने कहा, "धर्म विज्ञान धर्म शास्त्री के पास आता है, परंतु," मैंने कहा, "हम किसी और चीज के विषय में बात कर रहे थे।"

110 अब हम पाते हैं, कि प्रत्येक युग में, जब परमेश्वर ने कहा कि कोई विशेष चीज घटित होगी और वहां वह व्यक्ति आता है और उसे प्रगट करता है, और यहां वे लोग आते हैं और उसे जीते हैं। यह परमेश्वर स्वयं उन लोगों में जीवित है, क्योंकि यह उसके वचन का उत्तर है।

111 अब, केवल परमेश्वर का दिया हुआ मार्ग, और केवल दी हुई योजना, आज उसका पुत्र है उसके वचन में से होते हुए, इस युग के लिए और उसके जीवन के आत्मा के द्वारा जिलाये गए, जीवित हो गए।

112 अब हमारे पास धर्म विज्ञान का बड़ा विद्यालय है, और बहुत सी बार जब हम करते हैं... इसके विरोध में कुछ नही, निश्चय ही नही। परंतु आप देखते हैं, जब आप धर्म विज्ञान के विद्यालय में आते हैं...

113 यीशु ने संत यूहन्ना 4 में कहा, "वह समय आता है और अब है, जब परमेश्वर, आत्मा होते हुए, उसकी आराधना आत्मा और सच्चाई में होगी।" अब कुछ लोगों के पास आत्मा है, सच्चाई नही। दूसरों के पास सच्चाई है, पर आत्मा नही।

114 इसलिए यह कुछ ऐसा है यदि हमारे पास कार है, और हम केडलक में कहीं जा रहे हैं। और दोनों केडलक एक सी बनी है, और हम उन्हें बाहर निकालते है और हम... उन दोनों में तेल भर देते हैं। और शुरू और शुरू करते हैं। आप देखते और कहते हैं, "सीट ठीक है। स्टेरिंग सुंदर है, इस पर हीरे लगे हैं। और अच्छा है, सही है, ओह, आप पीछे बैठ कर सो जाते हैं।" और, ओह आप बहुत कुछ कर सकते हैं, प्रत्येक, परंतु आप देखते हैं उनमें से एक... उन दोनों में इंजन सही है परंतु उनमें से एक गतिका है। आप देखिए, आप यांत्रिकी को जानते होंगे, परंतु यह गतिका है कि उस इंजन को चलाये, और उसे चालू कर दें।

115 और आज कलीसिया के साथ यही मामला है। हम धर्मज्ञान से भरे हुए हैं, इसमें कोई गतिका नही है। यह ठीक बात है। समझे?

116 दूसरे शब्दों में, आपके पास पेट्रोल के लिए चिंगारी होना अवश्य है, या फिर पेट्रोल और कुछ नही... यह फिर पानी कि तरह भी अच्छा नही, जब तक कि इसमें आग लगने के लिए चिंगारी नही। इसलिए, इस प्रकार से।

117 कोई मतलब नही हमें कितनी अच्छी प्रकार सिखाया गया हो, हम कितनी अच्छी तरह विश्वास करें और हम कितना भी कहे कि बाइबल सत्य है, और हम विश्वास करते हैं कि यह सब सत्य है, इसमें गतिका होना ही चाहिए, इसे वहां होना चाहिए, उस चिंगारी को कि उस वचन को आग लगा दे और आगे बढ़ना आरंभ हो जाये। इसमें वह होना ही चाहिए। यदि आप में नही तो कलीसिया शांत बैठती है, कार शांत रहती है, आप शांत बैठेंगे। परंतु कोई मतलब नही आप कितना भी कहे, "मुझे सहानुभूति है। मैं इसके हर वचन का विश्वास करता हूं।" आपके पास कुछ होना चाहिए, जो चिंगारी छोड़ें और उसमें सौ आक्टेन की आग लग जाये, और परमेश्वर की बड़ी कलीसिया आगे बढ़ जाये। यह गतिका को

यांत्रिकी के साथ होना चाहिए। यांत्रिकी में कोई गड़बड़ नही, परंतु गतिका की कमी है।

118 और मैं सोचता हूं आज कलीसिया के साथ यही मामला है, हमने वह गतिका सामर्थ की घटी है, कि इस वचन पर जोर दे, और आज के दिन के लिए जीवित कर दे।

119 मार्टिन लूथर के पास यांत्रिकी और गतिका उसके अपने दिन के लिए थी। जॉन वैसली के पास थी अपने समय में। पेंटीकोस्टल के पास, उनके अपने दिन में थी।

120 हमारे दिनों के विषय में क्या है? यह दूसरा समय है! कलीसिया अब पूरी रीती से बड़ी हो चुकी है, मसीह से मिलने के लिए तैयार है, हर आशीषों के प्रगटीकरण के साथ, जिनकी प्रतिज्ञा उसने बाइबिल में दी है, जो उस महान देह में हो रहे हैं, जहां के लिए, उसने प्रतिज्ञा दी है कि वह लोगों से मिलेगा कि आराधना की जाये, उसकी अपनी महान कलीसिया में।

121 परंतु, आप देखिए, हम अपने बालको को विद्यालय भेजते हैं, हम पढ़ना–लिखना, गणित और भविष्यवक्ताओं का सारा इतिहास सिखाते हैं। यह अच्छी बात है, परंतु जब तक हमारे पास इसके पीछे कुछ ना हो!

122 "ओह," आप कहते हैं, "भई, मैं—मैं चिल्लाया। मैंने अन्य भाषाओं में बातें की।" यह अच्छा है। मैं भी यह विश्वास करता हूं। परंतु अभी जो बातें कर रहा हूं, यह वह नही है। देखिए, आप—आप करेंगे... यह खड़–खड़ करेगी, आप कहते हैं, "प्लक–प्लक, बूम्प–बूम्प," जैसे कि कोई पुरानी कार चलने का यत्न कर रही है। आप कहते हैं, "हां, मैं *इसका* विश्वास करता हूं। मैं *उसका* भी विश्वास करता हूं। परंतु, जब यह *इस* पर आता है, वे दिन, ओह, नही। नही!"

123 भई, वह सौ आक्टेन है, उसके समर्थन में सही जनरेटर है, यह परमेश्वर के हर वचन पर चिंगारी मारेगा, इसकी प्रतिज्ञा पर। यह ठीक बात है।

124 यही मामला आज हमारे साथ है, हम लगभग थम गए है। हम *इस* पर और *उस* पर विश्वास करना चाहते है।

125 मैं इस विषय में कुछ कहता हूं। "भई, मैं नही जानता।" तो, बाइबल ऐसा कहती है! यह तय हो गया। यदि परमेश्वर ने ऐसा कहा है, तो इसे

करना ही है। यदि हम... यदि यह परमेश्वर करने के लिए कहता है, हमें वह करना ही है। वहीं रूके रहे, जब तक परमेश्वर इसमें चिंगारी दे, और फिर आप सीधे–सीधे ना आगे दौड़ने को शुरु हो जाये, आप देखिए। यदि आप नही करते, तो आपके सारे प्लग खुटल है। और इसलिए हमें किसी भिन्न चीज की आवश्यकता है, हमें किसी भी चीज की आवश्यकता है, जो प्रज्वलित कर दे।

126 फिर ध्यान करे, वह केवल पवित्र आत्मा के द्वारा ही नही आता, उसके वचन को सिखने के साथ, वह उस वचन को प्रगट करता है। अब स्मरण रखें भविष्यवक्ता वचन का विश्वास करता है। वे परमेश्वर का वचन लेते हैं। और परमेश्वर पवित्र आत्मा उनमें आता है, और इस प्रतिज्ञा को प्रज्वलित कर देता है और उसे घटित कर देता है। ओह, प्रभु! इसे कौन दोषी ठहराने जा रहा है?

127 यीशु ने कहा, "कौन मुझ पर पाप के लिए दोष लगाता है? *पाप* 'अविश्वास' है। जो कुछ भी परमेश्वर ने लिखा और जो कुछ भविष्यवक्ता ने कहा, मैं उसका उत्तर हूं। जो उन्होंने कहा मैं करूंगा, मैं करता हूं।" वह एक नबी के समान आया, मनुष्य का पुत्र। वह ठीक यही था और उसने यही सिद्ध किया, कि वह था। क्यों? क्योंकि गतिका वहां यांत्रिकी को चिंगारी देने के लिए थी। वह यांत्रिकी था, स्वयं में पुत्र, और पिता वह गतिका है। "यह मैं नही जो इन कार्यों को करता है, यह मेरा पिता जो मुझ में रहता है। वह झटपटता है, और गतिका चीजों को आगे बढ़ता है। वह इसे घटित करता है।"

128 "जब मैंने कभी कोई बात कही... " जैसा की शमूएल ने एक बार लोगों से कहा, "क्या मैंने कभी कोई बात प्रभु के नाम से बताई हो, जो घटित ना हुई हो? " समझे? "जब कभी मैंने कोई बात कही और जब यह घटित ना हुई हो? "

129 "ओह, तूने जो बात हमें बताई वह घटित हुई, परंतु जो भी है हमें राजा चाहिये? "

130 आज इसी प्रकार से है। लोग अपने सुंदर विचारों को पकड़े रहना चाहते हैं। वे अपने मतसारो को पकड़े रहना चाहते हैं। वे इसी में टिके रहना चाहते हैं। वे लोग हमारे दिनों में बेदारी की बातें करते हैं, कैसे बेदारी हमें मिल सकती जब कि इस प्रकार से सब कुछ गड़बड़ है? पानी मिला हुआ तेल

और इसमें हर चीज है सब प्रकार के साबुन सारी आधुनिक चीजें इसमें मिली हुई है।

131 एक दिन मैं सड़क पर आ रहा था, और कहा एक प्रकार का आधुनिक साफ करने वाला, कहा, “आपको प्लेटे धोनी नही है, केवल आपको उन्हें इसमें डूबाना है और निकालना है।”

132 मैंने सोचा, “मैं घर में एक विशेष होने जा रहा हूं।” और मैंने जाकर इसका एक बॉक्स खरीद लिया।

133 और मैंने पत्नी से कहा, “प्रिय अंदर आओ, मुझे प्लेटे धोने दो।”

134 मैंने सोचा, “लड़के, वे जानते हैं कि क्या कह रहे हैं, वे वैज्ञानिक लोग। अब मैं इसे दिखा दूंगा कि कैसे। मैं करूंगा, वह करेगी… जब तक वह समझे कि मैं क्या कर रहा हूं बस इसे डुबाओ और बाहर बैठ जाओ, बस तुम्हें यही करना है।”

135 बालको ने नाश्ते में अंडे खाये थे। और उसमें मैंने यह साबुन डाला और उन्हें डुबाया और बाहर निकाल लिया फिर डुबाया और बाहर निकाला। उसमें अब भी अंडा चिपका था। जी हां, श्रीमान। मैं जो भी टेलीविजन पर सुनता हूं, उसका विश्वास नही करता, अब नही। नही, श्रीमान। नही, नही। नही वास्तव में नही।

136 यही कारण है मैं मनुष्य के बनाए हुए तंत्र का विश्वास नही करता नही रुक सकता। परमेश्वर का अपना दिया हुआ मार्ग है। यह मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन का नही है; परंतु यह यीशु का है, नए जन्म द्वारा बाइबल पर विश्वास करते हुए। यह परमेश्वर का दिया हुआ मार्ग है केवल एक ही मार्ग जो उसके पास है, वह यीशु मसीह, उसके पुत्र में। और उसके पुत्र में, उसने अपना नाम रखा है। उसका, परमेश्वर का नाम यीशु है, क्योंकि वह अपने पिता के नाम में आया है। और इसलिए यह परमेश्वर का नाम होगा क्योंकि वह परमेश्वर था।

137 अब ध्यान दें, जब यह महान चलाने वाली सामर्थ परमेश्वर के पुत्र में आती है, यह इसे जिला देता है, जीवन का आत्मा उसमें प्रवेश करता है। तब यह क्या करता है? यह इन्हें स्वर्गीय स्थानों में बैठाता है, ठीक इस समय। ना कि “वे बैठेंगे।” हम इस समय है। अब हम पहले ही जी उठे। वह गतिका और यांत्रिकी कार्य पर चले गए, हमें जिला दिया, और हम परमेश्वर की उपस्थिति में जिलाये गये, जहां उसका आत्मा है। और अब

हम मिलकर यीशु मसीह के साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं; मसीह यीशु में, वह बैठे हैं, वह महान... बैठना जो कि पहले ही प्रज्वलित है, मृतकों में से जी उठा, हम उसके भाग है। यदि आप दुल्हन का भाग है, आप है क्योंकि दुल्हन, दूल्हे का भाग है, आप जानते हैं। इसलिए हम पाते हैं कि यह एक ही चीज है और वह ठीक वही कार्य करेगी जो उसके लिए भविष्यवाणी हुई कि वह इन दिनों में करें। वह लौदीकीयन नही होगी किसी भी प्रकार से गुनगुनी नही। परंतु वह परमेश्वर के लिए सरगर्म होगी, वह परमेश्वर के आत्मा में आगे बंढ रही होगी।

138 अब हम यह पाने के लिए देख रहे हैं। अब हम करे, अब इसी समय में जो ये करता है, यह हम पर प्रभाव डालता है; और जब, हम एक बार पाप में मर गए और आज्ञा उल्लंघन, अपराध... हम एक साथ मिलकर उसके इस युग के वचन में जिलाए गए।

139 अब आइए पुराने समय में हम इस पर विचार करें, किसी के विषय में जो उसके वचन से जलाया गया; इसके पहले कि हम बिमारों के लिए प्रार्थना सभा करें। हम कुछ चरित्रों को ले, उनके गुणों पर ध्यान दे।

140 एक मनुष्य को ले जिसने परमेश्वर के सारे वचनों का पालन किया, पीछे वहां पुराने नियम में वह हनोक नाम का। वह परमेश्वर के वचन के द्वारा इतना जिलाया गया, कि, उसके पास एक गवाही थी कि उसने "परमेश्वर को प्रसन्न किया।" परमेश्वर ने हनोक को करने के लिए एक भी आज्ञा नही दी, परंतु वह जो उसने यह किया।

141 मुझे आश्चर्य है, आज दोपहर बाद यहां पर कितने हनोक है, यदि आप यह जानते हैं कि यह परमेश्वर के वचन में है? आप में से कितनी बाल कटी महिलायें है जो स्वयं को हनोक कह सकती है, देखिए, और जानते हैं कि परमेश्वर इसे दोषी ठहराता है? कितने पुरुष जो इन स्त्रियों को ऐसा करने देते हैं, और अपने को हनोक कहलवा सकते हैं? ओह, प्रभु! यह तो बस ठीक बात है, उन हजारों के विषय में क्या है? और हम दब जाते हैं, कहते हैं, "मैं *इससे, उससे* संबंध रखता हूं।" आप वहां से हो सकते हैं, परंतु... जब तक आप परमेश्वर के उस दिए हुए स्थान में नही आते! और आप भीतर प्रवेश नही करते जब तक आप उसके वचन का भाग नही होते। और, उसका भाग होते हुए आप उस सब में आ जाते हैं, सारे के अधीन।

ध्यान दे, यह यहां हमारे पास बाइबल में है, "परमेश्वर का वचन," और जो कि, यह परमेश्वर का वचन है।

142 अब हम पाते हैं कि हनोक परमेश्वर के द्वारा दिए गए मार्ग से आया, उसके वचन के साथ और पांच सौ वर्षों तक चलता रहा, और उसे प्रसन्न किया। और हम पाते हैं कि यांत्रिक उसके अंदर इतनी सिद्ध थी, और जब गतिका उसके भीतर इंजन में होकर कार्य करने लगी, उसने इसे पृथ्वी पर से उठा लिया, उसने पहले हवाई जहाज की यात्रा की हो जैसे स्वर्ग की ओर। परमेश्वर की यांत्रिकी पर कार्य कर रहा है और उसकी गतिका पर एक साथ "वह नही था," क्योंकि परमेश्वर ने उसे बिना मृत्यु के पृथ्वी पर से उठा लिया। यह बिल्कुल ठीक बात है। वह परमेश्वर के द्वारा दिए गए मार्ग पर चल रहा था।

143 यही चीज हम एलियाह पर पाते हैं। बूढ़े एलिय्याह ने बहुत सारी, उन मुंह रंगी ईजाबेलो को लताड़ा और बालकटी और आदि–आदि, जो वे उन दिनों में प्रयोग कर रही थी, उस बूढ़े मनुष्य ने अपना जीवन उस पाप को जो उन स्त्रियों के बीच था दोषी ठहराने में बिताया, क्योंकि उनके पास वह ईजाबेल स्त्री थी जो अपने कदम जमाती है।

144 ठीक वैसे ही जैसे आपका हॉलीवुड यहां है और सारी बहनो को वहां जकड़ लिया है। और, इजाबेल अब भी जीवित है, आप आसपास देख सकते हैं और आप देख सकते हैं कि वह है। और अब भी वह बड़ी सामर्थ में है।

145 अब हम पाते हैं, वह बूढ़ा नबी होने के नाते, उसने उस चीज को श्रापित किया और हर चीज परमेश्वर की इच्छा में सिद्ध थी। जब सारे प्रचारक कमजोर पड़ गये, वह इसी के साथ बन्ना रहा।

146 और एक दिन वह बहुत थक गया, परमेश्वर ने स्वर्ग से रथ भेजा, और आग के घोड़े और उसे ऊपर उठा लिया। वह उस जिलाने वाली सामर्थ से भरा हुआ था! जरा सोचिए, परमेश्वर का वचन उसके ह्रदय में था, वह जिलाने वाली सामर्थ से इतना भरा हुआ था कि उसे जिला दिया।

147 "यदि परमेश्वर का आत्मा, वह... " मैं विश्वास करता हूं रोमियो 11 या एक, 1: 11... "यदि," वह कहता है, "यदि वह आत्मा... " या, रोमियो 8:11 यह है, "यदि वह आत्मा जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया तुम में है, तो वह तुम्हारे मरनहार देहो को भी जिलायेगा। यदि वह आत्मा

जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया, यदि—यदि वह तुम में है, तो वह तुम्हारी मरणहार देहो को भी जिलायेगा।”

148 इसे जिलाया! *क्विक* (quick) शब्द का क्या अर्थ है? इस यूनानी शब्द का अर्थ, “मृत्यु के बाद जीवन में लाना।” हाल्लेलुय्या। वहां आराधना का द्वार है। आत्मा और सच्चाई मैं आराधना कर रहे है, यांत्रिकी और गतिका, एक साथ। आप देखिए मेरा क्या अर्थ है?

149 “यदि वह आत्मा जिसने यीशु को मरे हुए में से जिलाया, तुम में रहता है, तो यह जिलाएगा, जीवित करेगा तुम्हारी मरणहार देहों को, क्योंकि यह पहले ही जीवन है।” और जब यह तुम्हारी देह में आता है, तो यह तुम्हारी संपूर्ण देह को अपने अधीन ले आता है। किसके अधीन? परमेश्वर के वचन के अधीन। “यदि यह आप में है।”

150 अब यदि यह आप में कुछ है कहते है कि, “भई, वे जो दिन थे बीत गये। और मरकुस 16 सत्य नही है और पेंटीकोस्तलो का पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का विचार।” वह परमेश्वर का आत्मा नही है, जो आप में है। मैं चिंता नही करता कि आपने कितनी अच्छी तरह परशिक्षण लिया है, आप, जो परमेश्वर के आत्मा के नही है। आप कहते हैं, “मेरी मां *इससे* थी, और मेरे पिता वर्षो से, और मेरा भाई।” आप जो भी संबंधियों आदि के लिये कहना चाहे, यह उनके साथ यही सही हो सकता है; परंतु यह आपके लिए नही है, देखिए, आज आपको इस दिन में मसीह यीशु के पास आना ही है, इस युग के लिए, और वह प्रतिज्ञा जिसका मतलब इस युग के लिए है।

151 ध्यान दें, हम पाते हैं की इस महान जिलाने वाली सामर्थ ने हनोक पर प्रभाव डाला, इसने उसे जिलाया और वह बिना मरे घर को चला गया।

152 इसने एलिय्याह पर प्रभाव डाला उसे जिलाया जब तक कि वह बिना मरे घर को नही चला गया।

153 हम पाते है उसका उत्तराधिकारी एलीशा, जो कि मसीह और कलीसिया प्रतीक है, एलीशा, एलिय्याह ने चार आश्चर्यकर्म किए, एलीशा ने आठ। उसके पास दुगना भाग था, जैसे कलीसिया पर उंडेला गया था। [टेप पर खाली स्थान।—सम्पा।] बाद में उनके पास एक मृत व्यक्ति था, जिसे उसकी हड्डियों पर चला गया, और वह जीवित हो गया। वह जिलाने वाली सामर्थ उसके साथ कब्र में थी। आप नही सकते…

154 यह सदा वहां थी, जब उसे परमेश्वर की जिलाने वाली सामर्थ मिलती है, जिलाये गये होने के कारण, अब उसके साथ।

155 अब स्मरण रखें, मसीह में, हम उसके मांस में का मांस, हड्डियों में की हड्डी। जब परमेश्वर ने मसीह को कलवरी पर घायल किया तो वह मेरे और आपके लिए घायल हुआ। हम उसके मांस में के मांस है, और उसकी हड्डी में की हड्डी, उसकी देह की देह, उसके नाम के नाम, उसकी दुल्हन। देखिए, हम उसमें है, हम उसका मांस और हड्डियां है।

156 और परमेश्वर हमें पहले ही जिला चुका है, संभवता। जिलाने वाली सामर्थ जिसने हमें पाप के जीवन से जिलाया, और हमारे जीव को बदल डाला इसने सम्भवता: हमें मसीह यीशु मैं जिला दिया, जिसमें कि पुनरुत्थान हमें पूरी परिपक्वता में ले आएगा।

157 अब स्मरण रखें, हम अपने ही नाम में मर गए, गाड़े गए थे, और उसी में जी उठे। अब हम और अपने नही रहे। जिसमें कि "यीशु मसीह" का वह महान नाम जिसको कि बाइबल ने यहां इफिसियों 1:21 में कहा, कि "दोनों परिवार स्वर्ग और पृथ्वी में उसके नाम के कहलाये।" जहां परमेश्वर ने अपना नाम रखा। जो कि स्वर्ग में परिवार का नाम है। जो कि पृथ्वी पर परिवार का नाम है।

158 पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा, हम मसीह में है, पानी के द्वारा नही, आत्मा के द्वारा, हमने एक ही बपतिस्मा लिया, जो कि मसीह है, वह आराधना का स्थान। तब, वहां होते हुए इस आधार पर होते हुए, यह सार दस्तावेज़ के समान है।

159 आप कहते हैं, "मैंने एक जमीन का टुकड़ा खरीदा है।" यह अभी आपका नही है जब तक आपको सार नही मिल जाता है। परंतु यदि आपको सार मिल जाता है, यह दर्शाता है, हर चीज जो कभी उस जमीन के टुकड़े के विरोध मे थी, समाप्त हो गयी।

160 और फिर जब आप मसीही हो गए और मसीह को अपना बचाने वाला ग्रहण कर लिया, फिर जब परमेश्वर ने सार नीचे भेजा, ये यह दर्शाता है कि आपके पिता ने क्या किया इससे कोई मतलब नही था, माँ ने क्या किया था, किसी ने क्या किया; आपके माता, पिता पियक्कड़ रहे, व्याभिचार; जो भी यह था, हर पाप काट दिया गया! आपको सार दस्तावेज़ मिल गया। आपको इससे कोई अलग नही कर सकता। और देखिए, और हर चीज जो

उस आधार पर है आपकी है! आमीन। और जब आप मसीह यीशु में है, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा, हर वरदान जो परमेश्वर का कलीसिया में है! आमीन। यह सार का दस्तावेज है। आप, यह आपका है, यह आपका है, यह आपका है। यह आपकी मरणहार देहो को जिलाता है। ओह, यदि हम इस बात को सोचें!

161 आइए उन ईमानदार पेंटीकोस्टलो पर दृष्टि डाले। वे सब ऊपर वाली कोठरी में थे, और वे सब डरे हुये थे। उनके उपनाम थे, ठीक है, परंतु वे डरे हुए थे। "और अचानक से वहां स्वर्ग से आवाज आई," उनके पास सार नीचे भेजा गया, "जोरदार आंधी के समान, सारे घर को भर दिया जहां वे लोग बैठे हुये थे।" और वे इससे इतने उत्तेजित हो गये, जब तक कि उनका सारा डरपोक पना जो वे थे... उनमें से एक डरा हुआ था, उन्होंने यहां तक कि इन्कार किया, वह अभी तक फरीसी नही था या वह अभी सदूकी नही था। परंतु जब वह पवित्र आत्मा उतरा, और उसका यीशु मसीह में बपतिस्मा कर दिया, वह उसके मांस का मांस हो गया, हड्डी में की हड्डी, वचन का वचन। वह एक नई सृष्टि था। वह एक नया व्यक्ति था। इसने इसकी देह को जिला दिया।

162 देखिए, इसने क्या किया, इसने आपके साथ क्या किया, जब यह भीतर आया, इसने यह नही किया कि बाहर जाकर और कहे, "मैं मेथोडिस्ट हूं, बैपटिस्ट हूं। ओह, मैं जानता हूं कि मुझे धूम्रपान नही करना चाहिये। मेरे पास *यह* नही होना चाहिए। मुझे इस प्रकार के वस्त्र नही पहनने चाहिए। मुझे *यह* नही करना चाहिये। मुझे *वह* नही करना चाहिये।" यह आपको इतना जीवंत करता है जब तक आपको करना ही है। यह आपकी मरणहार देहो को जिलाता है।

163 देखिए, इसने उनकी देहो को जिला दिया जब तक कि वे स्वर्ग के इतने समीप नही उड़ गये जब तक कि उनकी देहो को भाषाओं में बोलने के लिए उत्तेजित कर दिया ऐसी भाषा में जो उन्होंने पहले कभी नही सुनी। इसने इनकी देहो को जिला दिया, उन्होंने नई स्वर्गीय भाषा बोली। वे परमेश्वर की उपस्थिति में, उस पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा जिलाये गये थे। परमेश्वर की जिलाने वाली सामर्थ ने इसमे उनका बपतिस्मा किया, तब। वे आराधना के स्थान में थे, वे जहां वे आराधना कर सके। सन्हेदरीन या

कुछ भी उनको गड़बड़ा ना सका, क्योंकि वे जिलाये गये थे। वे नये लोग थे। यह उनके बपतिस्मे लेने बाद था।

164 उस छोटे स्तफनूस को देखिए। वह परमेश्वर द्वारा दिए मार्ग से आया, परमेश्वर कि सामर्थ से जिलाया गया; द्वार में आया परमेश्वर द्वारा दिया गया मार्ग। और यहां तक की जब वे उसे मारने गए, मरने पत्थरवाह किया, उसने कहा, "मैं स्वर्ग को खुला देखता हूं, यीशु परमेश्वर के दाहिने हाथ खड़ा है।" यह जिलाने वाली सामर्थ है। वह उसकी गोद में जिलाया गया।

165 वहाँ फिलिपुस था, दूसरा जिलानेवाली सामर्थ से भरा हुआ। हम उसे वहां सांमरिया में पाते है, एक महान बेदारी कर रहा था। यह महान जिलाने वाली सामर्थ, मसीह में होने के बाद, वहां आया जहां हजारों लोग उसकी सुन रहे थे। और उसने कहा, "फिलिपुस इस स्थान को छोड़ मैं चाहता हूं कि तू गाजा के रेगिस्तान में जाये। वहां मेरा एक मनुष्य है, मैं चाहता हूं कि तू उससे मिले।" और कोई प्रश्न नही, कोई प्रश्न नही, वह उस जिलाने वाली सामर्थ से भरा हुआ था। वह मसीह में था, वह उस दिए गए स्थान में था, जहां परमेश्वर उससे बातें कर सका, परमेश्वर उससे बोला। कोई प्रश्न नही था।

166 कहा, "भाई, वह मुझसे बोला और मुझे बताया मैं चंगा होने जा रहा था, परंतु अब मैं नही जानता मुझे आज बहुत परेशानी लग रही है।" ओह! "ठीक है, उसने मुझे बताया कि मेरे पास पवित्र आत्मा था, और कभी–कभी मैं निश्चय ही सन्देह करता हूं।"

167 फिलिपुस परमेश्वर की आवाज ठीक ठीक पहचानता था, क्योंकि वह परमेश्वर के दिये गये मार्ग से आया था। उसने इस विषय में परमेश्वर से प्रश्न नही किया, "भई, परमेश्वर मेरे पास यहां बहुत सारे हैं, मुझे ही खड़ा होना है। मुझे राज्य के प्रेसबीटर को देखना है, इसके पहले मैं इसे कर सकूं। मुझे जाकर बिशप से बात करनी है," इस विषय में कुछ नही। उसने परमेश्वर की बात को ध्यान किया और सीधा रेगिस्तान में चला गया!

168 उसे एक व्यक्ति मिला, एक खोजा इथोपिया का, एक अश्वेत पुरुष यशायाह की पुस्तक पढता आ रहा था। और उसने कहा, "क्या तू समझता है कि तू क्या पढ़ रहा है? "

कहा, "मैं कैसे समझु जब तक कोई मुझे ना सिखाये? "

169 फिलिपुस रथ पर चढ़ गया, और उससे प्रभु के विषय में बात करने लगा।

170 उसने कहा, “पानी ये रहा, तो फिर बपतिस्मा लेने से कौन रोक सकता है? ”

171 उसने कहा, “यदि तू पूरे युद्ध ह्रदय से करता है, अपने सारे प्राण और समझ और सामर्थ से।” रथ पर से उतरकर और उसे बपतिस्मा दिया।

172 और फिलिपुस जिलाने वाली सामर्थ से इतना भरा हुआ था, यहां तक कि वह उसकी दृष्टि के सामने से उठा ले गया। सोचिए! उसकी मरणहार देह, उसका भौतिक शरीर उठा लिया गया, उस खोजे की दृष्टि के सामने से। मैं विश्वास करता हूं कि यह सत्य है। परमेश्वर उसे कहीं और ले जा सकता था। जहां उसकी आवश्यकता थी। वह उठा लिया गया था।

173 आप जानते हैं यहां तक कि मृत्यु आपसे कुछ भी नही ले सकती, जब आप मसीह में है, परमेश्वर के स्थान में।

174 यहां देखिए, ये मूसा के पास था। वह एक भविष्यवक्ता था जिसके पास प्रभु का वचन आता था। बहुत से नही... कितने कोहरा उठे और बोले, “हमें एक महान संस्था की आवश्यकता है। अब तू एक पवित्र मनुष्य होने के कारण इस स्थान को लेने का यत्न करता है।” परमेश्वर ने कहा, “स्वयं को अलग कर मैं बस इसे निगल जाऊंगा।” और दातान के, और आदि–आदि, उसकी चिंता ना की, वह सीधा चला गया।

175 और जब मूसा मरा वह स्वर्गदूतों के द्वारा गाडा गया कि जिलाने वाली सामर्थ उसमें बनी रही। आठ सौ वर्षों बाद वह यहां प्रतिज्ञा के देश में है, यीशु से बातें कर रहा है, वह जिलाने वाली सामर्थ उस पर अब भी है। यह परमेश्वर का दिया हुआ आराधना स्थल है।

176 “क्या कहा? आप कैसे जानते हैं? ” वह एक भविष्यवक्ता था। वचन भविष्यवक्ता के पास पहुंचा। और वह अपने युग में परमेश्वर का प्रगट किया हुआ वचन था। आमीन।

177 देखिए, आप मर नही सकते, आप जीलाये हुए है। ओह, यदि कलीसिया इसे देख सके, ये वह नही जो आप होने जा रहे है आप पहले ही है! यह शैतान जो आपसे यह लूटने का यत्न कर रहा है।

178 "अच्छा," कहते है, "अब मैं आपको बताऊंगा। मैं *इससे* संबंधित हूं।" कोई चिंता नही कि आप कहां से हैं।

179 आपको जन्म लेना ही है, नये सिरे से जन्म लेना, यीशु मसीह में पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाया, हर वचन के लिए जीवित हो उठे। आपकी आत्मा आप में "आमीन" से विराम लगाएगी, बाइबल के हर वचन के साथ। इसके बाहर यदि यह—यदि यह एक पर भी अपने से सिर हिलाता है, तो आप उस आत्मा से अलग हो गए, यह परमेश्वर का आत्मा नही है, जो परमेश्वर के वचन के साथ विवाद करता है, यह परमेश्वर के वचन को पालन करता है। यह केवल इसका विश्वास ही नही करता, परंतु यह इसे जीवित करता है, यह परमेश्वर के वचन को प्रगट करता है। जी हां, श्रीमान।

180 उन पुराने नियम के संतो पर ध्यान दें। संभाविता, पुराने बलिदान के नीचे वे नये कि आने की प्रतीक्षा कर रहे थे, परमेश्वर कि और अच्छा विवेक था। मती 27, हमें बताया गया था, जब यीशु जी उठा और कब्र से निकलकर बाहर आ गया, जिसे कि हमने एक सप्ताह पहले ही मनाया था, ईस्टर। बाईबल ने कहा कि, "बहुत से पवित्र लोग जो पृथ्वी की मिट्टी में सोये हुये थे, उसके पुनरुत्थान पर जीवित हो गए, और नगर में आकर बहुतो को दिखाई पड़े।" वे क्या थे? वे परमेश्वर के प्रतिज्ञा किए हुए वचन के प्रगटीकरण थे। केवल वही स्थान जहां परमेश्वर मिलता है, उस बलिदान के नीचे।

181 अब पहला थिसुलिनिकियो 4:16 बाइबल ने यह भी कहा, नए नियम के संत उसके साथ आयेंगे जब वह फिर से आता है, वे जो अब उसके संग जी उठे हैं। आप उसमें कैसे सम्मलित होते है? आत्मिक बपतिस्मे के द्वारा परमेश्वर कि सामर्थ, वह स्थान जहां वह मिलता है, यीशु में। अब यीशु परमेश्वर को दिया हुआ मार्ग है।

182 अब ध्यान दें, यीशु निश्चित था! उसे मालूम था कि वह परमेश्वर का पुत्र था। उसे मालूम था कि वह एक कुंवारी का पुत्र था, उसे मालूम था कि हर वचन ठीक उसमें होते हुए प्रगट हुआ। वह जानता था कि यह इतना सिद्ध है, यहां तक कि उसने उन मंदिर बनाने वालों से कह दिया, उसने कहा कि, "तुम इस मंदिर को ढा दो, और मैं इसे तीन दिन मैं उठा खड़ा कर दूंगा।" इस पर सोचिए। "इसे नष्ट कर दो, और मैं इसे तीन दिन में उठा खड़ा करूंगा।" क्यों? यह उसके लिए, एक लिखा हुआ वचन था।

183 दाऊद ने कहा, “मैं अपने पवित्र जन को नरक में नही छोड़ूंगा, उसके प्राण को अधोलोक में नही छोड़ूंगा, ना हीं अपने पवित्र जन को सड़ने दूंगा।”

184 अब, यीशु को मालूम था कि वह वही है। उसके मस्तिष्क में कोई प्रश्न नही। और वह यह जान गया कि बहत्तर घंटे में देह सड़ती है, बहत्तर घंटे में किसी समय वह वापस फिर से जीवन में जीने जा रहा था, इसलिए उसने कहा, “तुम इस मंदिर को ढा दो, मैं इसे तीन दिन में उठा खड़ा करूंगा।” क्यों? वचन उसके विषय में लिखा गया था। यह उसके विषय में लिखा था, क्योंकि वह परमेश्वर के लिखे वचन का उस दिन के लिए प्रगटीकरण था।

185 भई, वहां हाल्लेलुय्या होनी है, भाई, वहां कहीं होना है आज परमेश्वर का प्रगट किया हुआ वचन, आज परमेश्वर का। और यह वही चीज है, क्योंकि उसने इन दिनों के लिए कहा, और उसने कहा, कि इन दिनों में क्या घटित होगा, उसने हमें पहले बता दिया, हम जानते हैं कि क्या होने जा रहा है। और हम इसे आप में प्रगट होते हुए देखते हैं, तब आपका परमेश्वर कि कलीसिया में है। इसके बाहर आप स्वयं को “मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट” कहला सकते है, या कुछ और, यह कभी काम नही करेगा। वहां केवल एक ही मिलने का स्थान है, वह मसीह यीशु में है। ओह, आज, कैसे आज मैं चाहूंगा कि हर कोई इसे देख सके, देखिए इसमें अंदर कैसे आ सकते हैं, बपतिस्मा लेते हुए। दुल्हन अपने पति का भाग है। कलीसिया वचन का भाग, उसका प्रगटीकरण।

186 अब आप कौनसी कलीसिया में है? क्या आप एक नामधारी में है? यदि आप है मैं आपको अब सख्ती से बताऊंगा आप लौदिकिया में है। परंतु यदि आप मसीह में है, आप नई सृष्टि है और आप परमेश्वर की जीवित कलीसिया में है, उन्हीं चीजों के प्रगटीकरण के साथ जो उसने अपने दिन में किये और इस दिन में वापस आयेगे, उन्हीं चीजो को करते हुए जिसे उसने करने को कहा। तब, वह वास्तविक कलीसिया है। आप पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा उसमें आते हैं ना की सदस्य होने के द्वारा ना ही किसी और के परंतु उसकी देह में पवित्र आत्मा का बपतिस्मा लेने के द्वारा। ठीक है। यह परमेश्वर का दिया गया मार्ग है, जो उसने हमें करने के लिए छोड़ा है, कि उसकी देह में, उसके आत्मा के द्वारा बपतिस्मा ले।

187 यीशु ने संत यूहन्ना 14:12 में कहा, "वह जो विश्वास करता, जबकी वह मुझ में है!" कोई आश्चर्य नही कहते हैं आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए, कोई आश्चर्य नही वे इन बातों को कहते हैं। "वह जो मुझ में विश्वास करता है ना कि मुझ पर विश्वास करता है, परंतु मुझ में विश्वास करता है, वे कार्य जो मैं करता हूं वह भी करेगा।" क्यों? यह उसका जीवन है, यह उसकी गतिका है, उसकी यांत्रिकी में जो आप में है, इसे प्रज्वलित करता बढ़ाता है, और कार्य करता जिसकी करने की प्रतिज्ञा की है। या मेरा जीवन उसमें उसने अपने आत्मा के द्वारा मुझे जिला दिया कि अपने वचन को जो कि है, यांत्रिकी है उसकी गतिका के द्वारा कार्य करता है। इब्रानियों 13:8, "यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

188 अब मरकुस 17 वे अध्याय की 30 वे पद में भी, संत मरकुस का ध्यान से सुने। यीशु ने इन चीजो की प्रतिज्ञा अंतिम दिनों के लिए की, कि वह "कल, आज और सर्वदा एक सा है।" उसने मलाकी 4 में प्रतिज्ञा की है, कि वह "लोगों के ह्रदयो को, अंतिम दिनों में, उनके पूर्वजों के विश्वास की ओर फेरेगा।" उसने यह प्रतिज्ञा की है। उसने प्रतिज्ञा की है बाइबल में बहुत सी जगहों में, वे चीजें जो वह करेगा। "अभी थोड़े समय संसार मुझे नही देखेगा, फिर भी तुम मुझे देखोगे; मैं तुम्हारे संग होऊंगा, सदा तुम में संसार के अंत तक भी।" और संत लुका पर फिर ध्यान दें, 17:30, "जैसा यह सादोम के दिनों में था!"

189 आप जानते हैं कि सादोम में क्या घटित हुआ? केलिफोर्निया में क्या हुआ, केवल केलीफोर्निया में ही नही; केवल संयुक्त राज्य में ही नही, परंतु संसार में।

190 इस किशोरअवस्था के पागलपन को देखें! क्यों, हमारे यहां... मैंने उस दिन आपको बताया उन्होंने एरीजोना के स्कुलो का विशलेषण कर रहे थे जहां मैं रहता हूं विद्यालयों में अस्सी प्रतिशत बालक मंदबुद्धि के हैं। उनके बालक क्या होगे? हम दूसरी पीढ़ी नही ले सकते, हम अंत में है। यीशु ने कहा यह चीजें आयेंगी।

191 देखिए यह टेलीवीजन चीजें इन काल्पनिक चीजों को व्यवस्थित कर रहे हैं। एक समय आएगा, मैं भविष्यवाणी करता हूं, कि लोग पूरी रीती से पागल हो जायेंगे संसार ऐसा हो जायेगा। बाइबल भयानक दृश्यों के विषय में बात करती है जैसी कि सिनेमा आज वे दिखाते हैं कुछ इतिहास के

पहले के जनवरो के अंडे जो पृथ्वी पर बहुत करोड़ो वर्ष पहले थे कुछ परिणाम सामने आये, यह मामूली बात है कि क्या घटित होने जा रहा है। जब अधोलोक खुल गया है और शैतान स्त्रियों के इन भेद भरी चीजों के साथ आया है... या टिड्डी जिनके स्त्रियों जैसे बल और सिंहो जैसे दांत, क्यों संसार पूरी रीती से पागल, बिल्कुल पागल। यह सिवाये इसके यह अब से एक डिग्री।

192 ओह परमेश्वर की महिमा के लिए, प्रभु यीशु के आगमन के लिये, पवित्र आत्मा के लिए, ऐसा मालूम पडने के लिए, जीवते परमेश्वर की जीवित उपस्थिति के लिए!

193 यीशु ने संत मरकुस में कहा, उसने कहा, "मनुष्य के पुत्र के दिनों में प्रगट होगा।" अब, स्मरण रखें, परमेश्वर के पुत्र के नही। वह तीन पुत्रों के नामों में आया, मनुष्य का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, दाऊद का पुत्र। जब वह पृथ्वी पर था, वह एक मनुष्य के पुत्र के समान आया, वह एक भविष्यवक्ता था। मनुष्य का पुत्र, एक भविष्यवक्ता। यहोवा ने स्वयं भविष्यवक्ताओं को पुकारा यर्मयाह और उन्हें, "मनुष्य के पुत्र तुझे क्या दिखाई पड़ता है?" यीशु आया, क्योंकि उसे वचन के अनुसार आना था, एक मनुष्य के पुत्र के समान। मूसा ने कहा, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे समान एक भविष्यवक्ता उठा खड़ा करेगा।" और उसे एक भविष्यवक्ता होना था, मनुष्य का पुत्र।

194 परंतु उसकी मृत्यु, गाडे जाने, और पुनरुत्थान के बाद, अब वह परमेश्वर पुत्र हो गया, अलौकिक, पवित्र आत्मा।

195 परंतु उसने प्रतिज्ञा दी, अंत समय के आने से थोड़ा पहले संसार सदोम के समान हो जायेगा, जब एक मनुष्य मनुष्य के रूप में आया वे तीनों दो स्वर्गदूत और परमेश्वर स्वयं, वह परमेश्वर था। बाइबल ने कहा यह था। अब वह नीचे आया और वहां उसने स्वयं को प्रगट किया, अपनी पीठ तंबू की ओर फेर कर जहां साराह थी, और अब्राहम को बताया सारह तंबू के अंदर अपने हृदय में क्या सोच रही थी। यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] अब, यीशु ने स्वयं कहा, "उस दिन जब मनुष्य पुत्र प्रगट हो रहा होगा," दूसरे शब्दों में, "मनुष्य का पुत्र, यीशु मसीह स्वयं की सेवकाई।"

196 कलीसिया न्यायोचित होती हुई आएगी, लूथर के द्वारा; पवित्रीकरण से होते हुए, वैसली के द्वारा; पवित्र आत्मा के बपतिस्मे से होती हुई, और

पेंटीकोस्टल; और सीधी मनुष्य के पुत्र की सिद्धता में कि जब पति और पत्नी अपने में एक ही व्यक्ति होंगे। परमेश्वर अपनी दुल्हन में ऐसा प्रगट होगा, उसकी कलीसिया में, जब तक वे दोनों एक ही ना हो जाये। वे एक है। अब आप देखिए कि हम कहां है।

197 उन रिवाजों और मतसारो को ना थामें। वे अपने समय में ठीक थे, परंतु फूल अब खिलने को तैयार है, यह बीजने का समय है, यह ठीक बात है।

198 यीशु ने इन बातों की प्रतिज्ञा की है। और जब हम देखते हैं कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा को हमारे सामने में जीवित करता है, और यह देखते हैं कि यह हम में है, और उसका आत्मा हम में रह रहा है, यही वह आराधना का मार्ग है, केवल आराधना का स्थल, यही केवल एक मार्ग जिसमे आप आराधना कर सकते हैं, "क्योंकि जो मसीह यीशु में है उन पर दंड की आज्ञा नही।" परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी है। यीशु ने कहा, "वे चीजें जो मैं करता हूं तुम भी करोगे," और वह अंत के दिनों में क्या करेगा। वह कैसे इस युग से होते हुए आता है, ना ही उजियाला, ना ही दिन होगा, यह अंधेरा होने का सा समय होगा, परंतु कहा, "सांझ के समय, उजियाला होगा।"

199 सूर्य पूर्व में उगता और पश्चिम में अस्त होता है। वही सूर्य जो पूर्व में उगता पश्चिम में अस्त होता है, सभ्यता ने इसी के साथ यात्रा की है। इसने जल की तीन बड़े भागो पर से यात्रा की है, तीन प्रकार के बपतिस्मे। ओह, हां एशिया से यूरोप पर; यूरोप से इंग्लैंड, और इंग्लैंड से; संयुक्त राज्य पर।

200 और अब हम फिर से सीधे वापस आ गए हैं, और यहां हम दोपहर बाद पश्चिमी किनारे पर बैठे हैं, जहां अंधकार की सामर्थ की सारी पाप की सीमाओं का यहाँ ढेर लग गया है। यह सारे चलचित्र और टेलीविजन के कार्यक्रम वहां पुरुष स्त्रियों का चुंबन कर रहे हैं, और छोटी–छोटी लड़कीयो के मस्तिष्क को विषयुक्त कर रहे है।

201 क्या आपको मालूम है, कोई पुरुष जो स्त्री को चुम्बन करता है, आचरण बाध्य है कि उससे विवाह करे? यह सम्भावित यौन संपर्क व्यवहार है। जी हां श्रीमान। यह है। यह क्या है? यह पुरुष ग्रंथि पुरुष के होठों में और स्त्री ग्रंथियां। जब पुरुष और स्त्री की ग्रंथियां संपर्क में आती है, तो यह यौन संबंध है।

202 यहां हॉलीवुड में देखते हैं, उन छोटी लड़कियों को वहां पार्कों में पडे हुए देखिए और लड़के इन लड़कियों के साथ गुलछर्रे उड़ा रहे हैं, और इस प्रकार की चीजें और यहां तक की गायन मंडली में गाते है। और ये एलविस प्रेसली के और आदि–आदि, जो आज हमारे यहां है, यह अमेरिका के नाम के लिए कलंक है, जिसके लिए हमारे पूर्वज लड़े और शहीद हो गए।

203 परंतु समय आता है कि हर एक राज्य समाप्त हो जाये, क्योंकि परमेश्वर का राज्य है जो मनुष्य के ह्रदय में स्थापित किया गया है, उस पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा और यीशु मसीह की उपस्थिति। और मसीह अपनी दुल्हन के पास आएगा और यहां पृथ्वी पर राज्य स्थापित करेगा जो कभी भी धूमिल नही होगा। आप इस राज्य में कैसे आयेंगे? आप इसमें जन्मे है। आप इसे कैसे जानते हैं? आप बस बने रहते हैं... आप कैसे इस राज्य से होगे और इसके राजा से असहमत हो? देखिए आप होंगे... और राजा वचन है। "आदि में वचन था और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा, कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

204 उन्हें कैसे मालूम पड़ा कि वह मनुष्य का पुत्र था? वह भक्त मंडली को देखेगा और मालूम कर लेगा कि वे किस विषय में सोच रहे हैं, हम जानते हैं कि यह सत्य है। वह आज वैसा ही है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

205 क्या बिली ने कोई प्रार्थना पत्र दिए है? एक था जिसको मैं पूछना भूल गया। क्या उसने प्रार्थना पत्र बांटे हैं? [सभा कहती है, "हाँ।"—सम्पा।] क्या उसने प्रार्थना पत्र बांटे हैं। ठीक है।

206 मैं आपको बताऊंगा। यदि आपके पास पर्याप्त विश्वास हो मेरे पास विश्वास करने का विश्वास है, कि परमेश्वर जिसने प्रतिज्ञा दी है, वह ठीक यहां स्वयं को परमेश्वर होना सिद्ध कर सकता है, बिना यहां किसी व्यक्ति के इस प्रचार मंच पर आये। मुझे लगता है जीवित परमेश्वर के वचन की प्रतिज्ञा के आधार पर पहल करूं। इधर देखिए, मैं आपको कुछ दिखाऊं। यह जिलाने वाली सामर्थ इसका हम अभ्यास करने जा रहे है। मैं आपको दिखाऊं। कितने यह विश्वास करते हैं कि उनमें जिलाने वाली सामर्थ है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] अच्छा, बीमारों के ऊपर आपके हाथ रखने में क्या बात है?

207 जब उन चेलो ने अपने ऊपर जलाने वाली सामर्थ भाई पेंटीकोस्ट के दिन, उन्होंने क्या किया? वे बाहर गए और अपने हाथ बीमारों पर रखें और वे चंगे हो गए। यीशु ने कहा, मरकुस 16 में, कि "यह संसार के अंत तक निरंतर चलेगा।" चेलों का युग कितना लंबा था? "सारे जगत में जाओ हर प्राणी को सुसमाचार प्रचार करो, विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे; यदि वे अपने हाथ बीमार पर रखेंगे वे चंगे हो जायेंगे।" यह जिलाने वाली सामर्थ जैसे एलिय्याह की हड्डियों में थी एलीशा की हड्डियों में। और वही जिलाने वाली सामर्थ संतो पर है, जिन्हें उन्होंने जिलाया, यदि वही जिलाने की सामर्थ हमारे ऊपर है, अपने हाथ बीमार पर रखें, वे चंगे हो जायेंगे।

208 मैंने यहां ध्यान दिया, मैंने विचारों को परखना लगभग छोड़ दिया है बस अपने हाथों को बीमार पर रखता हूं। मैं देख रहा हूं जब मेरी बातें, मैं कभी नही... मैं एक तिहाई लोगों को भी नही ले पाता, इस प्रकार से जो मैंने किये उससे बहुत अधिक को ले पाया हूं जो मैंने कभी किए। और मैंने और अच्छे परिणाम पाये, स्वयं को परमेश्वर के हाथों में दे देने के द्वारा, और कह रहे हैं, "प्रभु परमेश्वर, आपने यह प्रतिज्ञा दी है। यह आपकी प्रतिज्ञा है; यह मेरी नही, यह आपकी है, आपने प्रतिज्ञा दी आप ही यह करेंगे। और मैंने देखा है, आप करते हैं। और मैं यह विश्वास करने जा रहा हूं कि आप इसे करने जा रहे हैं, क्योंकि मैंने आपकी देह में बप्तिस्मा लिया है और आपका आत्मा यहां प्रमाणित करता है कि यह सत्य है।" आमीन। यही आराधना का स्थान है। तब आप इस स्थान में आते हैं, "सारी बातें संभव है।" तब आप उस स्थान में आते हैं कि आपके—कि आपके उद्देश्य और वास्तविकता, यह ठीक परमेश्वर की इच्छा में है। और जब आप अपना हाथ उन पर रखते और ये विश्वास करते कि यह घटित होने जा रहा है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

209 मैं विश्वास करता हूं कि इसके पहले एक भी प्रार्थना पत्र वाले को बुलाया जाये, या कुछ भी वह सर्वसामर्थी परमेश्वर मुझे बता सकता है, कि वहां आप में क्या है, और आपको क्या करना चाहिये और आपको क्या नही करना चाहिए था। यह ठीक पहल करता है, मैं जानता हूं यह ठीक बात है, ठीक यही परमेश्वर हमसे करवाना चाहेगा। क्या आप यह विश्वास करते

हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] कितने यह विश्वास करेंगे यदि परमेश्वर इसे करेगा? ["आमीन!"]

210 सामने बैठे हुए में, एक भी व्यक्ति ऐसा नही जिसे मैं जानता हूं जिसके विषय में मैं सोच सकता हूं या किसी को देखा हो जिसे मैं वास्तव में जानता हूं। कितने यह जानते हैं कि हम सब अपरिचित है अपने हाथ उठाएं। जानते हैं कि मैं आपके विषय में कुछ नही जानता अपने हाथ उठाएं भक्त मंडली में। कहीं भी, जानता है कि आपके विषय में कुछ नही जानता। मैं समझता हूं हर कहीं विशेषकर यहां इनमें। अब संभव है दूसरे लोग... मैं उन्हें नही जानता, उन्होंने अपने हाथ नही उठाए, परंतु जो भी है मैं—मैं—मैं उन्हें नही जानता। मैं विश्वास करता हूं कि मैं रिचर्ड ब्लेयर को ठीक यहां बैठे हुए देखता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि यह ठीक बात है। मैं... वहां यह अंधेरा है। *इधर* की ओर ज्योति है। मैं नही देखता हूं।

211 परंतु इधर की ओर देखें मैं आपको बताने का यत्न कर रहा हूं कि वह जिलाने वाली सामर्थ आप मैं आती है, यह यीशु मसीह है। जब यीशु ने अपने हाथ बीमार पर रखें वे चंगे हो गए।

212 जब यीशु के पास उसे स्वयं को जिलाने की सामर्थ थी, एक मनुष्य के समान, वह देख सकता था और लोगों में जो विचार थे, उन्हें वह बता सकता था कि वे किस विषय में सोच रहे हैं, उन्होंने क्या किया है। अपनी पीठ उनकी ओर घुमाई, उन्हें वही बताया, "अपने ह्रदयो में क्यों तर्क करते हो? " स्त्री ने उसके वस्त्र को छुआ। उसने कहा, "किसने मुझे छुआ? " उसने चारों और देख कर उसे ढूंढ लिया, और कहा, "मुझे अनुभव हुआ कि मुझ में से सामर्थ निकली है, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया।" यह यीशु मसीह है। यह ये सिद्ध करता है कि कलीसिया कहाँ पर है, और वास्तविक जिलाने वाली सामर्थ मनुष्य जाती में क्या करती है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

एक क्षण के लिए हम अपने सिरो को झुकायें।

213 प्रिय परमेश्वर, इस दोपहर बाद हमारी शैतान से लड़ाई हुई इन माइक्रोफोन पर, संभवता इन लोगों को जानते हुए कि इसका आधा भी ना मिले इस इमारत में... इस प्रकार गूंजते हुए। परंतु मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, पवित्र आत्मा उसको लेगा जिसका उनके लिए अर्थ है, प्रभु, कि लोग देखें कि हम आशा करते हुए खिचडने वाले नही। परमेश्वर, अब हम

जीवित हैं यीशु मसीह की पुनरुत्थान की सामर्थ के द्वारा जिलाये गए, यीशु मसीह हम में जीवित है। प्रभु, हम यह विश्वास करते है।

214 हम अपने लिये किसी महिमा का दावा नही करते, जैसे रूपांतर वाले पर्वत पर, जहां हम में से हर एक का वहां प्रतिनिधित्व हुआ, वहां मूसा जो मर गया था और फिर जिलाया गया, ऐलिय्याह था वह जिलाये हुए संत जो अंत के दिन उठाए जायेंगे। और तब उन्होंने देखा, जब उन्होंने पीछे देखा, उन्होंने केवल यीशु को देखा। हम जानते हैं प्रभु, हम नही चाहते कि लोग हमें देखें। हम यहां इस उद्देश्य के लिए नही है, यह बात हम से दूर रहे।

215 परंतु, प्रभु, हमारे ह्रदय आनंद से भर जाते हैं जब हम यीशु को अपने बीच महिमा से भरा हुआ पाते है; जब हम उसे महिमायुक्त देखते हैं जब हम उसके वचन को देखते हैं जो कि वह वचन है; जब हम देखते है हम इसे यहां बाइबल में पढ़ते है, जहां उसने प्रतिज्ञा की है कि वह इसे करेगा तब उसे ठीक अपने अंदर कार्य करते देखते हैं, ओह परमेश्वर, यह कैसे हमें नम्रता का अनुभव करता है, कि हम यह जानते हैं कि यह उसकी जीवित उपस्थिति है...

216 हम किसी के भी सदस्य नही बने या किसी चीज के लिये मोल–भाव किया। हम बस उस अनंत जीवन में विश्वास करते हैं, प्रभु। और आप हमें उसमें पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा उसमें मोहरबंद करते हैं, और अपने देहो को जिलाते हैं, और अपने आत्माओ को जिलाते हैं, तब हमें दर्शन देने के लिये लाते हैं और भविष्यवाणी, और अन्य भाषाओं में बोलना बड़े–बड़े आश्चर्यकर्म और चिन्ह होते है। क्यों यह जीवित परमेश्वर है। हम उस देह में है। जब की संसार के लिए जो नष्ट होने वाले है, मुर्खता है; परंतु हम जो विश्वास करते है यह परमेश्वर की सामर्थ है, उस अनंत जीवन के लिए। पिता, हम इसके आपका धन्यवाद करते है।

217 अब प्रभु आज यह मालूम हो जाये कि आप परमेश्वर है कि आप कभी भी नही बदले, आपका वचन जो आपने कभी कहा, आपका विचार नही बदला। और आप कल, आज और सर्वदा एक सा है, और केवल एक और एक—और एक ही जो परमेश्वर ने दिया। केवल एक ही मनुष्य जिसमें परमेश्वर ने कभी नाम रखा उसका अपना ही पुत्र जो उसका नाम लेता है, यीशु; परमेश्वर, यहोवा, बचाने वाला, इम्मेनुएल, भेड़ों के झुंड का द्वार;

वह जो था, जो है, और आयेगा, और वंश जड़ और वंश दोनों, दाऊद का; भोर का तारा, घाटी की कुमुदनी। ओह परमेश्वर, कितना अद्भुत! कोई आश्चर्य नही यशायाह ने कहा, "युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, सदा काल का पिता।" ओह, आपको छोड़ हमारा कोई पिता नही, प्रभु। आप हमारे पिता है। हमारी माता है। आप वह सब जो हम है, वह सब जो कभी हम हो सकते हैं। हम और कुछ नही देखेंगे सिवाये महिमा वाले यीशु को छोड़!

218 पिता, हो सकता है इस दोपहर बाद मैंने अच्छा नही कर पाया, परंतु अपने ह्रदय की भावनाओं को लिया, प्रिय परमेश्वर मेरी सुन ले। और यह कहने पाये आज के दिन कि यीशु मसीह ठीक इस मंदिर में महिमामय हुआ है। पिता, इसे ग्रहण करें क्योंकि हम यह उसके नाम में मांगते हैं और जैसा कि मैं नम्रता में, इस भक्तमंडली के साथ प्रतीक्षा करता हूं कि आप अपनी आत्मा के द्वारा चले फिरे। आमीन।

219 अब मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए एक चीज करें, मैं आपसे एक औपचारिक प्रश्न करना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि आप मुझे इस प्रकार उत्तर दें जैसे यदि यह आप किसी को जीवन में अंतिम उत्तर दे रहे हो। क्या आप विश्वास करते हैं कि यह सत्य है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] क्या आप विश्वास करते है कि कोई कलीसिया या नामधारी परमेश्वर की उपस्थिति में पहचाना नही जायेगा? क्या आप यह विश्वास करते हैं? ["आमीन।"] एक भी नही। केवल वही जिन्होंने यीशु मसीह में जन्म लिया है, जो उसके नाम पर लेते हैं! यह ठीक बात है।

220 आप उसके नाम पर ले जब आप वहां जन्म लेते हैं, जल के बपतिस्मे के द्वारा नही। यद्यपि आप उसके नाम में बपतिस्मा ले सकते है, परंतु यह उसके नाम पर नही लेता। आप जन्म के द्वारा उसके नाम को लेते हैं, ना कि जल के द्वारा। देखिए, अपने यीशु मसीह के नाम बपतिस्मा लिया है, जी हां, श्रीमान, उसकी संगति में, परंतु आपका बपतिस्मा पवित्र आत्मा के द्वारा हुआ है, यीशु मसीह में। आप सेकड़ो बार जैसा चाहे बपतिस्मा ले सकते है, दूसरी तरह से कोई अंतर नही पड़ता। परंतु जब आप एक बार पवित्र आत्मा के द्वारा मसीह की देह में बपतिस्मा लेते है तो आप परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां हो जाते हैं, और "हर वचन सत्य है!" और, फिर, यह उसने उस उद्देश्य के लिए किया है।

221 जैसा मैंने उस दिन कहा था, जब परमेश्वर कार्यरत हुआ और पृथ्वी के आर–पार सूर्य को प्रभावित किया, वह उन ताड़ के पेड़ों को जानता था और हर चीज जो पृथ्वी के नीचे रखी थी। वह... वे उस समय पृथ्वी के भाग थे, ऐसे ही आप थे

222 और जब उसने ईस्टर की प्रात: परमेश्वर के पुत्र को जिलाया, और पवित्र आत्मा को भेजा, यह जिला देने के लिये भी था, कि अनंत जीवन का बीज जिसे उसने पृथ्वी के रचने से पहले जाना कि वह यहां पर होगा। उसे मालूम था कि यह माइक्रोफोन सांझ को इस इस तरह से कार्य करेगा उसे मालूम था कि आप की मनोस्थिति ऐसी होगी जो आपकी है। वह अनंत है। आप अपने मस्तिष्क से इसकी कल्पना नही कर सकते आपको इसे स्वीकार करना है। परंतु मुझे एक बात कहने दे कि वही परमेश्वर यहां खड़ा है, अपने लोगों के बीच इस दोपहर बाद।

223 चाहे आप मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल आप जो भी हो सकते हैं, आप किसी संस्था में विश्वास ना करें। क्योंकि, उन्हें संस्थागत नही किया जा सकता... यह बहुत सारी शिक्षाओं की बनी होती है। यह बनी होती है... आपको व्यक्तिगत ही होना है, परमेश्वर के प्रति। आपको व्यक्तिगत ही होना है, परमेश्वर आप से व्यवहार करता है, आपकी कलीसिया में नही। आपको अपनी कलीसिया में सही प्रकार का जीवन जीना है या भक्तमंडली में, जहां आप आराधना करते हैं, आपको वैसा ही जीवन जीना है, जैसे जीना चाहिए। परंतु आप देखिये, उन्होंने मतसार बना लिए, और आदि–आदि, आप उनके द्वारा में प्रवेश भी नही कर सकते, यदि आप उसका विश्वास नही करते। इसलिए परमेश्वर वहां कैसे आ सकता है, जबकि उसका वचन निरंतर प्रगट हो रहा है?

224 लूथर कैसे इन बपतिस्मो के विषय में कैसे जान सकता था और—और आत्मा की वापसी, जब कि वह पिछले दिन में था? पौधा इस प्रकार से बड़ा नही हुआ था। ना ही वैसली इसे जान पाया। और ना ही पेंटीकोस्टल इसे जानते थे कि आज क्या चल रहा है। वही आप से अलग जा रही है। यह ठीक बात है। यह हर युग में रहा, और यह सदा रहेगा।

225 और मैं यह बाइबल से सिद्ध कर सकता हूं कि यह गेहूं का युग है। स्मरण रखें, इस महान बेदारी के पश्चात... कभी कोई और संस्था कभी नही हुई पेंटेकोस्टल के बाद। वे नही हो सकते। यह छिलके से गेहूं की और और

फिर गेहूं को छोड़ और कुछ नही होगा। यही कारण है, कि पंद्रह वर्षों... अधिकांश तीन वर्ष और वे संस्थागत हो गए किसी भी बेदारी के बाद। किसी भी इतिहासकार से पूछे। परंतु इसके बाद कोई संस्था नही। उन्होंने वर्षा को उठाने का यत्न किया परंतु देखिए कि इसका क्या हुआ, यह नही हो सकता अब यह गेहूं का दाना है। जी हां, श्रीमान। अब और आगे बढ़ाने वाला नही यह वास्तविक बीज है, मसीह अपने लोगों के बीच में है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

226 आइए हम इसे *यहाँ* जड़ से आरंभ करें। मैं वहां से नही ले सकता यह देखते हुए वहां आप में से बहुत है। आपमें से कितने मेरा विश्वास करते हैं कि मैं उसका दास हूं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] परमेश्वर में विश्वास रखें! आपमें से कितने *यहाँ* है, जो यही विश्वास करते हैं, कहे, "मैं इसका पूरे हृदय से विश्वास करता हूं"? ["आमीन।"] अब होने पाए प्रभु परमेश्वर इसे हमें प्रदान करे ताकि आप जिलाने वाली सामर्थ को देख सके। यह कुछ जीवित प्रमाण है, जो इसे करता है।

227 हां, कोई कह सकता है, "ओह, *यह* ये है, *यह वह*।" परंतु इसे कार्य करने दे।

228 अब, मेरे लिए यह बिल्कुल असंभव है कि मैं आपके विषय में कुछ जानू, आप यह जानते हैं। मैं सिवाये एक व्यक्ति के किसी को नही जानता, मैं उसे देख सकता हूं और वह आदरणीय ब्लेयर वहां बैठे हैं, उधर की ओर पूर्व में, मैं विश्वास करता हूं, अरकनसास या कहीं और वहीं से। भक्तमंडली में केवल वही है जिन्हें मैं देखता हूं कि जानता हूं। और परमेश्वर जानता है कि यह सत्य है, इसे कुछ होना होगा कि...

229 मैंने अभी यहां देखा कि यह बेचारी महिला यहां अंत में बैठी है उसे आत्मिक समस्या है, जिसके लिये आप प्रार्थना कर रही है। क्या आप विश्वास करती है कि परमेश्वर आपकी इस आत्मिक समस्या का समाधान कर देगा, आपके लिए, और इसे ठीक कर देगा? ठीक है, आप यह ले सकती है।

230 अपना हाथ उस बराबर वाली महिला के ऊपर रखें, जो आपके पास बैठी है क्योंकि उसे पेट की परेशानी है, वह उसके लिए प्रार्थना कर रही है। जी हां। बहन, यह ठीक बात है? यदि यह सही है तो अपना हाथ उठाये।

मैं आपको नही जानता, मैंने आपको अपने जीवन में कभी नही देखा। दो अश्वेत लड़कियां।

231 अब यह क्या है? क्या यह ठीक वैसा ही नही जो उसने कहा कि वह करेगा? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] बिल्कुल ठीक।

232 यहां एक महिला बैठी है ठीक इधर की ओर देख रही है, बैठी हुई, मुझे देख रही है, उसे हृदय रोग है। क्या आप विश्वास करती है कि परमेश्वर हृदय रोग को चंगा करेगा? आप वहां बैठे हुए प्रार्थना कर रही थी, "मेरी इच्छा थी कि मैं वहां आऊं।" क्या यह ठीक बात है? अपना हाथ *इस* प्रकार से हिलाये, यह ठीक है। मुझे कैसे मालूम हुआ कि आप अपनी प्रार्थना में क्या कह रही थी?

देखिए, केवल विश्वास करें, आपको बस यही करना है, विश्वास।

233 ठीक यहां एक महिला बैठी हुई है यदि यह चंगी ना हुई तो यह मर जायेगी। इसे कैंसर है। क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर कैंसर को चंगा कर सकता है? जी हां, आप इसका विश्वास करती है? आप इस प्रकार से होते हुए धीरे-धीरे अपना हाथ उठा रही थी, क्या आप विश्वास करती है परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप कौन हैं? श्रीमती गन। अब, यदि यह ठीक बात है, *इस* प्रकार से अपना हाथ हिलाये। ठीक है। घर जाये, यीशु मसीह आपको चंगा करेगा।

"यदि तू विश्वास कर सके तो सारी चीजे संभव है!"

234 इसने इस महिला पर प्रभाव डाला जिसने गहरे रंग की टोपी पहनी है मेरी ओर देख रही है। इसे भी कैंसर है। क्या आप विश्वास करती हैं, परमेश्वर आपको चंगा करेगा? क्या आप इसका पूरे हृदय से विश्वास करती है? मैं श्रीमती मिलर से बात कर रहा हूं। क्या आप विश्वास करती हैं? मैं इस महिला को नही जानता अपने जीवन में इसे कभी नही देखा, और स्वर्ग का परमेश्वर जानता है कि यह ठीक बात है। आमीन।

"यदि आप विश्वास कर सके!"

235 यहां एक अश्वेत महिला यहां सिरे पर बैठी है मुझे सिर झुका है। वह अध्यन कर रही थी। वह एक प्रिय जन के विषय में अध्ययन कर रही है किसी के लिए प्रार्थना कर रही है। सही में, वह प्रार्थना करने आयी... उसके लिए प्रार्थना करने। नही, वह यहां नही है, यह उसका पति है। यह ठीक

बात है। वह… यहां नही है। वह घर पर है। उसका ऑपरेशन हुआ है, क्या नही हुआ? यह ठीक है। वह साईनस से परेशान है, और आदि–आदि। यह सही है, क्या नही है? वह चंगा होने जा रहा है। इसके लिए आपका विश्वास मजबूत है। क्या आप विश्वास करती है, यह सत्य होने जा रहा है? आमीन।

236 क्या आप नही देख सकते कि यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है? उन लोगों से पूछें। यह सारी भक्तमंडली में हुआ। क्या आप विश्वास करते हैं कि वह यहां पर है? क्या आप अनुभव करते हैं कि जिलाने वाली सामर्थ आप में है? देखिए, यह परमेश्वर है जो आपको चंगा करता है, मित्रों। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

237 अब क्या आप मेरे लिए एक चीज करेंगे? अब कितने यहां पर बीमार है, हम आपको देखे अपने हाथ उठाये, अब यह पांच बज रहे हैं। अपने हाथ एक दूसरे पर रखें, और अब आइए… अब एक भी शब्द ना बोले, बस अपने हाथ एक—एक दूसरे पर रखे। मैं चाहता हूं कि आप एक काम करें।

238 कहे वह मनुष्य जो ठीक यहां पीछे बैठा है उसकी मैं पीठ में एक गिल्टी है। क्या आप विश्वास करते कि परमेश्वर आपकी पीठ से गिल्टी बाहर कर देगा, श्रीमान? क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा कर देगा? युवक, जो मुझे देख रहा है और सोचा कि वह छूट जायेगा, श्रीमान। आप अपना हाथ उठाये। यह ठीक बात है। आप अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं, परमेश्वर आपके लिए इसे निकाल देगा।

239 हाल्लेलुय्या! मैं समस्त मंडली को यीशु मसीह के नाम में चुनौती देता हूं! यदि आप कर सके, यदि… आपका विवेक, आपके और अविश्वास से कठोर ना बने, इससे घबराइए नही। क्या आप मनुष्य के पुत्र को नही देख सकते, मनुष्य का पुत्र भविष्यवक्ताई के संदेश के रूप में, अपनी कलीसिया में वापस आ रहा है, भविष्यवाणी में यीशु मसीह को प्रगट करते हुए कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है? आज के समय तक यह कभी भी किसी युग में होते हुए नही हुआ समझे? इसका प्रमाण है।

240 कलीसिया क्या है? आप इसमें कैसे प्रवेश कर सकते हैं? जब कि आप वहां है, हर चीज जो यीशु मसीह था आप हैं, यहां तक कि परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां। वह आप बन गया ताकि आप वह हो सके।

241 बात यह है कि इसका प्रयोग करते हुए आप डरते हैं, या फिर आप उसके वचन से सहयोग नही कर रहे हैं। अब, यह जरा सा भी भला नही करेगा, और मैं—मैं चिंता नही करता कि आप क्या करते हैं। यदि आप पूरी रीती से इस वचन में नही आते हैं, तो यह कभी काम नही करेगा। किसी चीज के लिए जो उसने कही, कौन दोष लगा सकता है और इस दिन में प्रतिज्ञा दी है, जो नही हुआ? तो फिर अपने नामधारी को मुझ पर ना थोपे, क्योंकि यह कार्य नही करेगा।

242 हाल्लेलुय्या! मैं अनुभव करता हूं, मैं जानता हूं कि वह यहां पर है। मैं निश्चित हूं कि वह यहां पर है मैं जानता हूं, कि अब जिलाने वाली सामर्थ कलीसिया में प्रर्याप्त है कि हर व्यक्ति को जो यहां बैठा है, चंगा कर दे। क्या आप इसका विश्वास कर सकते हैं? अच्छा तो फिर क्या आप?

243 क्या आप बीमारों के लिए प्रार्थना करने मैं विश्वास करते हैं? क्या आप विश्वास करते हैं कि यीशु ने कहा, "वे बीमारों पर हाथ रखेंगे और वे चंगे हो जायेंगे"? ठीक है, अब एक दूसरे पर अपने हाथ रखे। अपने लिए प्रार्थना ना करे। अगले व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें। वे आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। अब शांति और श्रद्धा में।

244 प्रभु, मैं कितना धन्यवादित हूं, आप यहां इस प्रचार मंच पर खड़े हो सकते हैं और—और वचन को प्रचार करते हैं, आज के लोगों के विचार से कितना विपरीत है, यहां तक कि वे इस विधर्म कहते हैं, वे इसे "प्रेतवाद" कहते है, वे इसे "प्रेतआत्मा," कहेंगे, जैसा उन्होंने तब किया "बालजाबूल।" परंतु आपको यहां ठीक अच्छी भक्तमंडली के बीच देखते हुए, इस दोपहर बाद और पलटकर और जो प्रचार किया गया, उसकी पुष्टि और प्रमाणित किया कि यह सत्य है।

245 परमेश्वर ये आपके लोग है। शैतान ने माइक्रोफोन में गड़बड़ करने का यत्न किया, इसने लोगों के विचारों को गड़बड़ करने का यत्न किया, उसने उन्हें इसे पाने से रोकने का यत्न किया। परंतु मैं विश्वास, वे इसे ले लेंगे, जो भी हो, प्रभु। मैं उनके लिए मांगता हूं कि वे इसे ले ले। मैं इनके लिए मांगता हूं कि इसे ग्रहण करें। प्रभु इन विश्वासीयों को जिलाने वाली सामर्थ के साथ प्रदान करें कि जब वे... यदि यह आपके आगमन को देखने के लिए जीवित ना रहे, तो वह जिलाने वाली सामर्थ उन्हें अंत के दिनों में उठा देगी।

246 इसे अभी प्रदान कर दे कि ये जिलाने वाली सामर्थ इनके विश्वास को जगा दे, प्रभु, कि जो यह कर रहे हैं। यहां ये विश्वासी, विश्वासी के ऊपर हाथ रखे हुए हैं, एक देह दूसरी एक देह पर एक सामर्थ, एक सामर्थ को। और यह परमेश्वर की सामर्थ, परमेश्वर के पुत्र के द्वारा या परमेश्वर की पुत्री के द्वारा, परमेश्वर के पुत्र के द्वारा। ओह परमेश्वर, होने पाए कि शैतान इन लोगों को छोड़ दे! इस दोपहर बाद में ये चंगे हो जाये, पुनरुत्थान के द्वारा जिलाने वाली सामर्थ यीशु मसीह की उपस्थिति से प्रमाणित हुई। यीशु मसीह के नाम में, यह एसे ही हो!

247 आपके हाथ लोगों पर इनमें जिलाने वाली सामर्थ है, यदि आप जिलाये गए हैं। क्या आप जीवन के पास आए हैं? क्या मसीह आपके लिए वास्तविक हो गया? क्या परमेश्वर की सामर्थ प्रगट हुई है? क्या आप उस कलीसिया में है परमेश्वर की दी हुई कलीसिया? आप इसमें कैसे हैं, आप कैसे जानते हैं कि आप इसमें जिलाये गए हैं? आपके समस्त विचार आपका प्राण अब मसीह में है। और मसीह लोगों के मध्य में है, और स्वयं को जीवित प्रमाणित कर रहा है, सिद्ध कर रहा है कि वह यहां सादोम के दिनों में है।

248 लोगों के उन हाथों के साथ कि उनके जीवन आवारागर्दी से पीने से, व्यभिचार सड़क पर से, बदल कर एक वास्तविक परमेश्वर के संतों में हो गए, जी उठे। उनके हाथ आपके ऊपर है वे पवित्रआत्मा के बपतिस्मे के द्वारा कलीसिया में है, यही सामर्थ एलीशा की हड्डियों के ऊपर थी। वही सामर्थ आपके कंधो पर है, आपके हाथों पर, आपके सिरो पर, वही जिलाने वाली सामर्थ; उसके साथ यहां खड़े हुए, यह सिद्ध हो रहा है कि वह मरे हुओ में से जी उठा है, स्वयं को जीवित दर्शाता है, यहां वही कार्य कर रहा है जो उसने तब किए जब यहां था और सिद्ध करता है यह सच्चाई है। आमीन!

249 क्या आप अब उस पर विश्वास कर सकते हैं? क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि वे हाथ जो आपके ऊपर रखे हैं धर्मी हाथ है, क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि वह आत्मा जो अब हमें जिला रही है, संसार के प्रति पागलों सा व्यवहार करवाती है, क्या आप विश्वास करते हैं कि यह जिलाने वाली सामर्थ है? क्या आप विश्वास करते हैं कि आप उसकी कलीसिया में है? तब, यदि आप है और विश्वास करते हैं कि जो हाथ आप पर रखे हुए हैं पवित्र हाथ है, परमेश्वर की आज्ञा के द्वारा; तो फिर मैं

आपको यीशु मसीह के नाम में आज्ञा देता हूं कि अपने पैरों पर खड़े होकर अपनी चंगाई को स्वीकार कर ले, हर कोई जो बीमार रहा है।

ओह, मसीहो, आप अनुभव करते हैं कि क्या घटित हुआ?

250 क्या आप अनुभव करते हैं कि बाहर सड़क पर लाखों लोग जो आज इन सड़कों पर चल रहे हैं, ये इस संसार में कुछ नही सिवाये परमाणु चारे के? क्या आप अनुभव करते हैं कि वे लोग पापों में मरे हुए और अपराधों में और काले जीवन; सारी कलीसियाओ में कुछ थोड़े व्याख्यान या कुछ किसी प्रकार की विशेष चीजो का पालन चीजों का पालन करते हुए, और इसे धर्म कहते हैं।

251 क्या आपने अनुभव किया कि आप मृत्यु से जीवन में जी उठे हैं और जीवते परमेश्वर के देह में बपतिस्मा लिया, जिसने तुम्हारी देहो को जिलाया, जहां अन्य भाषाओं में बोलना और भाषाओं का अनुवाद और यीशु मसीह को हमारे मध्य में प्रगट होते हुए? क्यों, बीमारी इस जैसे झुंड में रुक नही सकती जैसा यह है। आपका विश्वास उस तक पहुंचे, उसका विश्वास करे! और कहे, “प्रभु परमेश्वर, मैं अपने सारे ह्रदय से विश्वास करता हूं,” और आप चंगा करेंगे।

252 क्या यहां पापी है जो उसकी देह में आना चाहेंगे? अपने हाथ उठाये और कहे, “मैं इसमें कभी नही आया, मैं कभी भी पवित्र आत्मा से नही भरा, परंतु, भाई ब्रन्हम, मैं निश्चय ही इस दोपहर बाद इसकी इच्छा रखता हूं। क्या आप मेरे लिए प्रार्थना करेंगे?” अपने हाथों को उठाये। शर्माए ना, आप उसकी उपस्थिति में है। बस हाथों को देखें! हाथों को देखें!

253 अब हर कोई जो पवित्र आत्मा का बपतिस्मा चाहता है, अपने हाथ उठाये, आप जहां भी हैं, जो यह चाहते हैं।

254 अब आप जिनके पास पवित्र आत्मा है, जो उनके पास खड़े हैं अपने पवित्र हाथ उन पर रखें, “यदि पवित्र आत्मा, जिसने यीशु को मरे हुए में से जिलाया, तुम में है, यह तुम्हारी मरणहार देह को जिलाता है, मृत्यु से जीवन में।” यह सारी देह को आत्मा के अधीन लाता है। अब हम अपने सिरो को झुकाये, और हर कोई इन लोगों के लिए प्रार्थना करें, जो पवित्र आत्मा का बपतिस्मा चाहते हैं। और मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर आप में से प्रत्येक को भर देगा, इसी समय, पवित्र आत्मा से।

255 मित्रों, हम प्रतीक्षा करते हैं? आप अधिक समय तक प्रतीक्षा करने जा रहे हैं, इन्हीं दिनों में। यह घड़ी है। और अधिक प्रतीक्षा ना करें। आप ठीक यहां इस मंदिर में है, जहां आपके पास सारी रात प्रार्थना करने और टिके रहने के लिए है।

256 प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप पवित्र आत्मा को फिर से भेजेंगे, जैसे आंधी के तेज हवा के साथ, पूरे घर को भर दे, सिद्ध प्रमाण के साथ यहां पर, इस दोपहर बाद कि आप जी रहे हैं, और लोगों के साथ। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

परमेश्वर का दिया गया आराधना स्थल HIN65-0425

(God's Provided Place Of Worship)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार दोपहर, 25 अप्रैल, 1965 को फुल गोस्पल बिसनेसमेंस फ़ेलोशिप इंटरनेशनल कन्वेंशन के लिए, एम्बेसी होटल, लोंस एन्जलीस, केलिफ़ोर्निया, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org